QS ASIAN UNIVERSITY RANKINGS
QS ASIA 2025 : SOUTHERN ASIA

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य

भाषण प्रतियोगिता

2026

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

संरक्षक

प्रो. विनय कुमार पाठक

कुलपति

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

भाषण प्रतियोगिता
द्वितीय/अंतिम चरण

(चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के कक्षा समूहवार प्रथम दो विजेताओं के मध्य)

विषय: संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

प्रतिभागी: 14

विजेता: रिया यादव

कक्षा: 12

विद्यालय का नाम:

भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज

विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर

कक्षा समूह 1

(कक्षा 03 से 08 तक)

कक्षा समूह 2

(कक्षा 09 से 12 तक)

विजेता: स्वाती

कक्षा: 04

विद्यालय का नाम:

प्राथमिक विद्यालय, सुनौढ़ा

विकास खण्ड चौबेपुर

विषय: विकसित भारत के 5 आधार- शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई पर्यावरण एवं जल संरक्षण

प्रतिभागी: 04

दिनांक : 06 जुलाई 2026, स्थान : सीनेट हॉल, विश्वविद्यालय परिसर

झलकियाँ

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

(05 ग्रामों के प्राथमिक / उच्च प्राथमिक / माध्यमिक विद्यालयों
में सम्पन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम दो स्थान
प्राप्त विद्यार्थियों के मध्य)
2026

भाषण प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 06 जुलाई 2026

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 08 तक)

विषय : संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

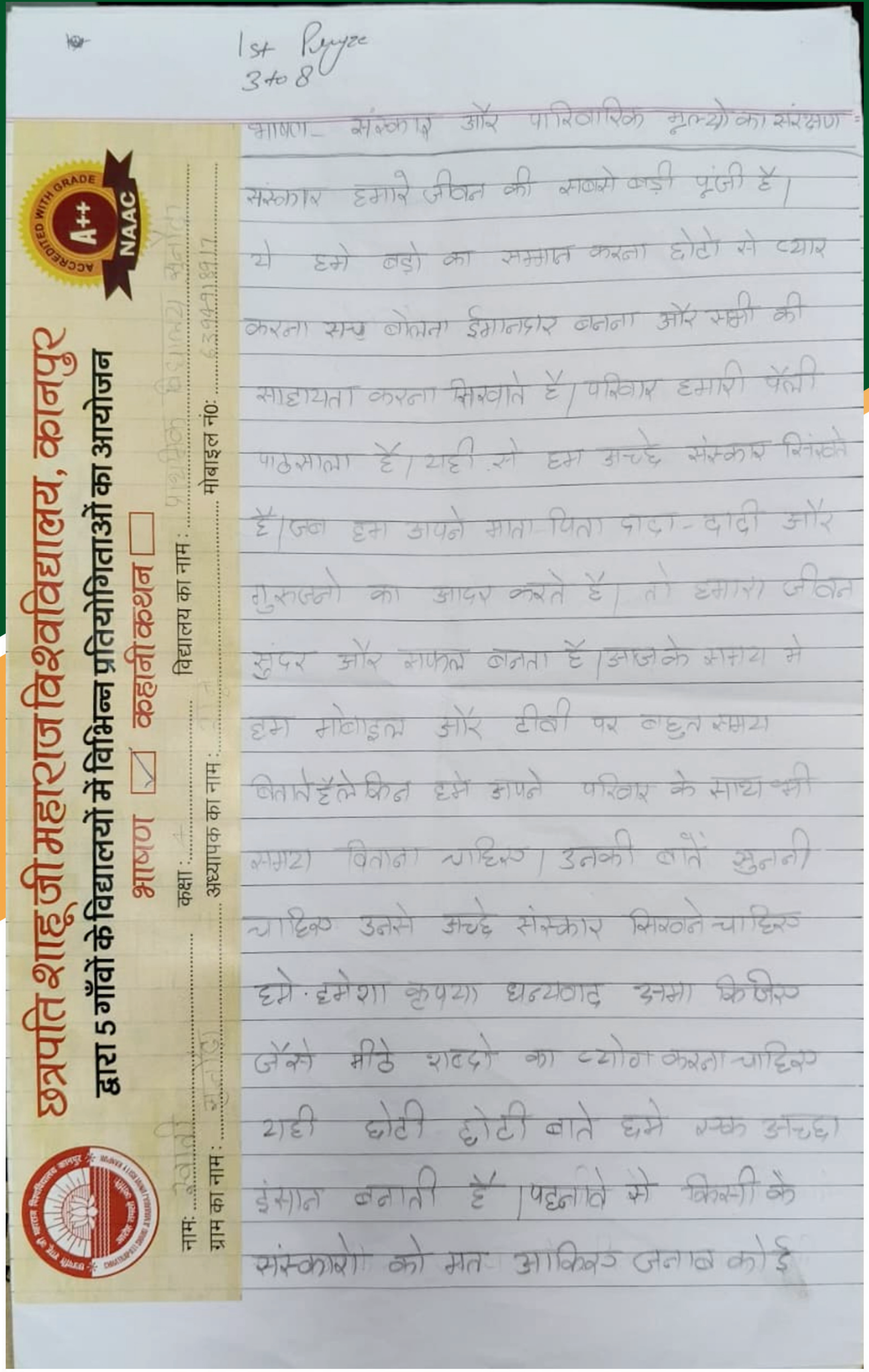

1st Prize
3 to 8

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: स्वाति कक्षा: विद्यालय का नाम: प्राथमिक विद्यालय सुनौढ़ा
ग्राम का नाम: सुनौढ़ा अध्यापक का नाम: मोबाइल नं0:

भाषण- संस्कार और पारिवारिक मूल्यो का संरक्षण

संस्कार हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। ये हमे बड़ो का सम्मान करना छोटो से प्यार करना सच बोलना ईमानदार बनना और सभी की साहायता करना सिखाते है। परिवार हमारी पैली पाठसाला है। यही से हम अच्छे संस्कार सिखते है। जब हम अपने माता-पिता दादा-दादी और गुरुजनो का आदर करते है। तो हमारा जीवन सुंदर और सफल बनता है। आज के समय मे हम मोबाइल और टीवी पर बहुत समय बिताते है लेकिन हमे अपने परिवार के साथ भी समय बिताना चाहिए। उनकी बाते सुननी चाहिए उनसे अच्छे संस्कार सिखने चाहिए हमे हमेशा कृपया धन्यवाद क्षमा किजिए जैसे मीठे शब्दो का प्रयोग करना चाहिए यही छोटी छोटी बाते हमे एक अच्छा इंसान बनाती है। पहनावे से किसी के संस्कारो को मत आंकिए जनाब कोई

नाम: स्वाती

कक्षा: 04

विद्यालय का नाम:
प्राथमिक विद्यालय, सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर

स्थान: प्रथम

नाम: आरोही
कक्षा: 08
विद्यालय का नाम:
उच्च प्राथमिक विद्यालय, ईश्वरीगंज,
विकास खण्ड कल्यानपुर

स्थान: द्वितीय

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐

2nd Prize
~~8~~ 3+08

संस्कार और पारिवारिक मूल्यो का संरक्षण

" ये रिश्तो की डोर कमजोर न होने पाए
पारिवारिक मूल्यो की ये शाम कभी बुझने
न पाए
संस्कार ही है जो हमे इंसान बनाए
यही है खुशबू जिससे पूरे देश का
आँगन महक जाए "

संस्कार केवल हमारे रीति-रिवाज ही नही बल्कि यह हमारे चरित्र की नींव है जिस प्रकार एक इमारत अपनी नींव पर टिकी होती है ठीक वैसे ही एक मनुष्य का व्यक्तित्व उसके संस्कारो पर टिका होता है। परिवार को मनुष्य की प्रथम पाठशाला माना जाता है एक बच्चा अपने माँ के आँचल और पिता के साये मे नैतिक व्यवहार और अनुशासन का पहला पाठ सिखता है वर्तमान समय मे हम जहा आधुनिकता के नाम पर अपनी जड़ो से दूर होते जा रहे है वहाँ परिवार की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे भारतीय संस्कृति और परम्पराओ से नई पीढ़ी को अवगत करे आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और उपभोक्तावादी संस्कृति मे हम बाहरी चमक-दमक को अधिक महत्व देने लगे है यदि हमने अपने संस्कारो और पारिवारिक मूल्यो को को नही सहेजा तो हमारा नैतिक पतन निश्चित है। संस्कार विहीन मनुष्य उस वृक्ष के समान है जिसकी जड़ कमजोर है। संस्कार हमारी सबसे बड़ी पूजा है हमे अपने बड़ो का सम्मान करना छोटो से प्रेम करना और परोपकार की भावना को जीवित रखना चाहिए आइए हम सब मिलकर अपने गौरवशाली संस्कारो सहेजे ताकी एक समृद्ध और आदर्श समाज का निर्माण हो सके। आज के इस दौर पर हमे यह समझने की जरूरत है की। संस्कार

(पृष्ठ 01)

वे चीज नही जिन्हे किताबो से रटकर सीखी जा सके बाल्कि यह वो व्यवहारिक ज्ञान है जिसे बच्चे अपने घर के माहौल से सीखते है। यदि आप अपने बच्चो को केवल अच्छी शिक्षा देंगे लेकिन अच्छे संस्कार नही देंगे तो वह शिक्षा अधूरी रह जाएगी।

अतः भाषण के अंत मे मै आप सभी से बस इतना ही कहना चाहूगी कि आप अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय अपने परिवार और बच्चो के लिए जरूर निकाले उन्हे अपनी मिट्टी अपनी जड़ो से जोड़कर रखे आइए आज हम सब मिलकर एक दृढ़ संकल्प ले कि हम अपनी संस्कार और पारिवारिक मूल्यो का संरक्षण करेंगे व देश की उन्नती मे अपना योगदान देंगे।

धन्यवाद।

भाषण प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 06 जुलाई 2026

कक्षा समूह-03

(कक्षा 09 से 12 तक)

विषय : विकसित भारत के 5 आधार- शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई पर्यावरण एवं जल संरक्षण

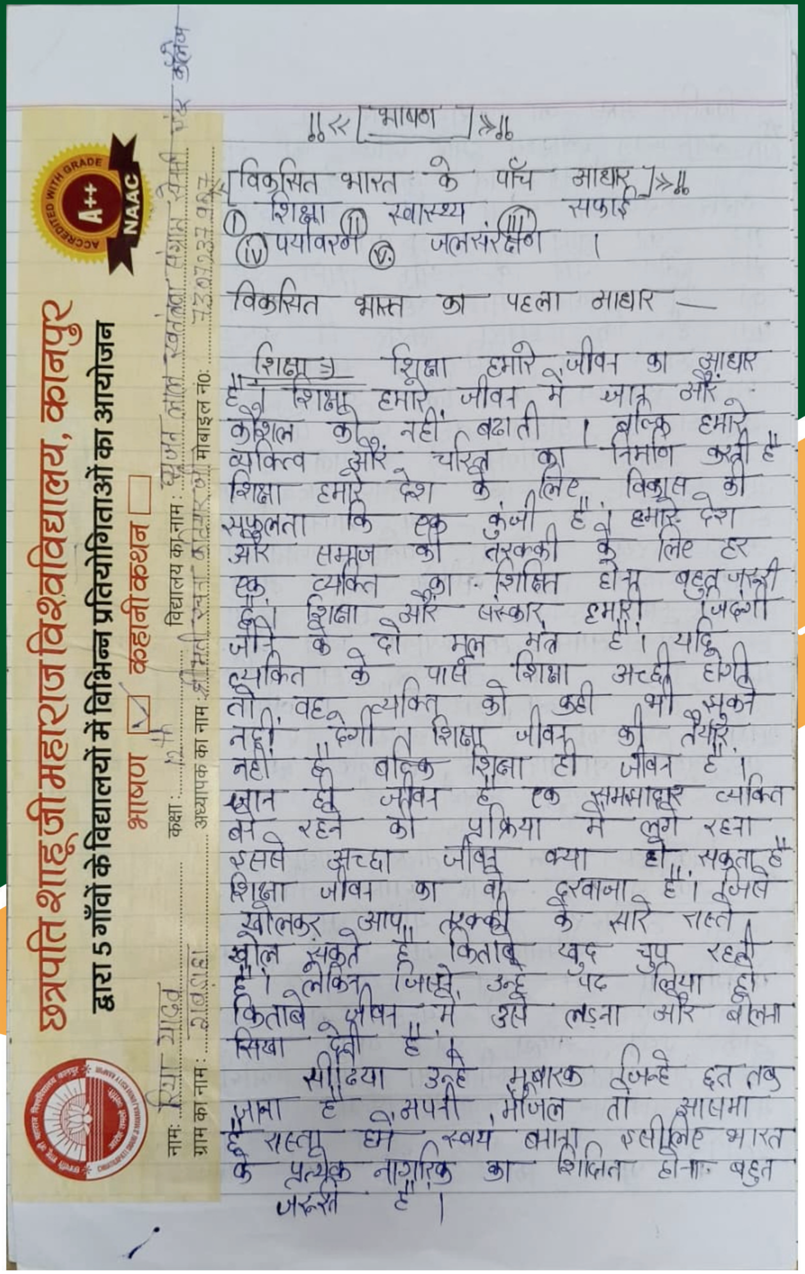
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

॥≪[भाषण]≫॥

[विकसित भारत के पाँच आधार]≫॥
(i) शिक्षा (ii) स्वास्थ्य (iii) सफाई
(iv) पर्यावरण (v) जलसंरक्षण ।

विकसित भारत का पहला आधार —

शिक्षा ⇒ शिक्षा हमारे जीवन का आधार है। शिक्षा हमारे जीवन में ज्ञान और कौशल को नहीं बढ़ाती। बल्कि हमारे व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण करती है शिक्षा हमारे देश के लिए विकास की सफलता कि एक कुंजी है। हमारे देश और समाज की तरक्की के लिए हर एक व्यक्ति का शिक्षित होना बहुत जरूरी है। शिक्षा और संस्कार हमारी जिंदगी जीने के दो मूल मंत्र है। यदि व्यक्ति के पास शिक्षा अच्छी होगी तो वह व्यक्ति को कहीं भी झुकने नहीं देगी। शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है बल्कि शिक्षा ही जीवन है। ज्ञान ही जीवन है एक समझदार व्यक्ति बने रहने की प्रक्रिया में लगे रहना इससे अच्छा जीवन क्या हो सकता है शिक्षा जीवन का वो दरवाजा है। जिसे खोलकर आप तरक्की के सारे रास्ते खोल सकते है किताबे खुद चुप रहती है। लेकिन जिसने उन्हें पढ़ लिया हो किताबे जीवन में उसे लड़ना और बोलना सिखा देती है।
सीढ़िया उन्हे मुबारक जिन्हे छत तक जाना है अपनी मंजिल तो आसमा है रास्ता हमें स्वयं बनाना इसीलिए भारत के प्रत्येक नागरिक का शिक्षित होना बहुत जरूरी है।

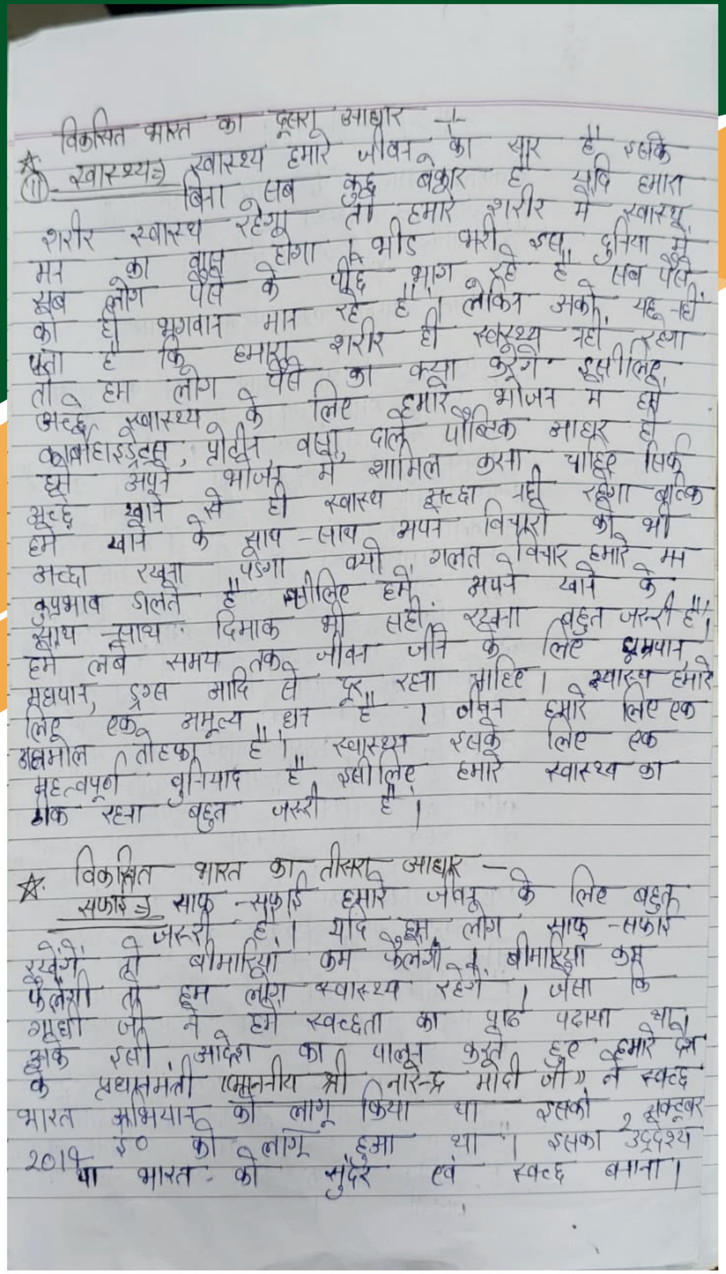
विकसित भारत का दूसरा आधार —
☆ (ii) स्वास्थ्य ⇒ स्वास्थ्य हमारे जीवन का सार है इसके बिना सब कुछ बेकार है यदि हमारा शरीर स्वास्थ रहेगा तो हमारे शरीर में स्वास्थ मन का वास होगा। भीड़ भरी इस दुनिया में सब लोग पैसे के पीछे भाग रहे है सब पैसे को ही भगवान मान रहे है। लेकिन उनको यह नहीं पता है कि हमारा शरीर ही स्वस्थ नहीं रहा तो हम लोग पैसे का क्या करेंगे इसीलिए अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे भोजन में हमें कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, वसा, दाले पौष्टिक आहार को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए सिर्फ अच्छे खाने से ही स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा बल्कि हमें खाने के साथ-साथ अपने विचारो को भी अच्छा रखना पड़ेगा क्योंकि गलत विचार हमारे मन कुप्रभाव डालते है इसीलिए हमें अपने खाने के साथ-साथ दिमाक भी सही रखना बहुत जरूरी है। हमे लंबे समय तक जीवन जीने के लिए धूम्रपान, मद्यपान, ड्रग्स आदि से दूर रहना चाहिए। स्वास्थ्य हमारे लिए एक अमूल्य धन है। जीवन हमारे लिए एक अनमोल तोहफा है। स्वास्थ्य इसके लिए एक महत्वपूर्ण बुनियाद है इसीलिए हमारे स्वास्थ्य का ठीक रहना बहुत जरूरी है।

☆ विकसित भारत का तीसरा आधार —
सफाई ⇒ साफ-सफाई हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है। यदि हम लोग साफ-सफाई रखेंगे तो बीमारियां कम फैलेगी। बीमारियां कम फैलेगी तो हम लोग स्वास्थ्य रहेंगे। जैसा कि गांधी जी ने हमें स्वच्छता का पाठ पढ़ाया था उनके इसी आदेश का पालन करते हुए हमारे देश के प्रधानमंत्री «माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी» ने स्वच्छ भारत अभियान को लागू किया था इसको 2 अक्टूबर 2014 ई० को लागू हुआ था। इसका उद्देश्य था भारत को सुंदर एवं स्वच्छ बनाना।

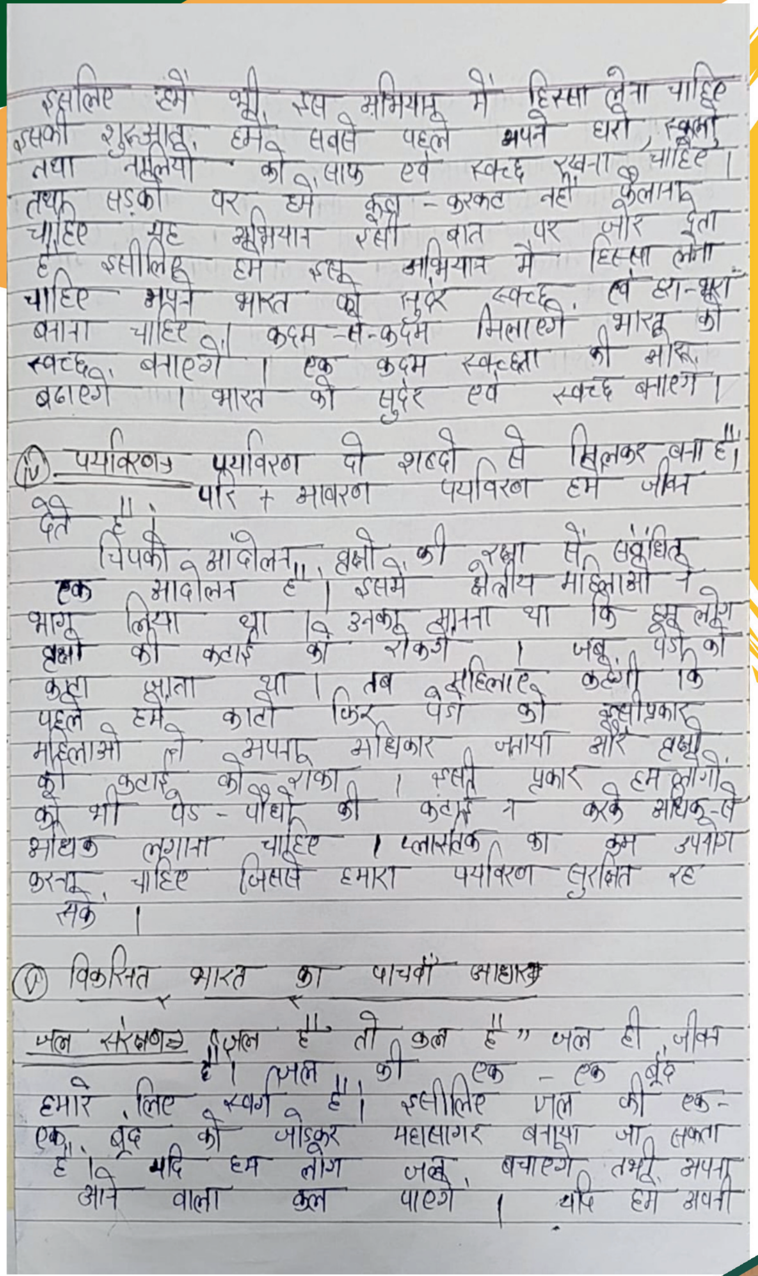
इसलिए हमें भी इस अभियान में हिस्सा लेना चाहिए इसकी शुरुआत हमें सबसे पहले अपने घरो, स्कूलों तथा नालियों को साफ एवं स्वच्छ रखना चाहिए। तथा सड़को पर हमें कूड़ा-करकट नहीं फैलाना चाहिए यह अभियान इसी बात पर जोर देता है इसीलिए हम इस अभियान में हिस्सा लेना चाहिए अपने भारत को सुंदर स्वच्छ, एवं हरा-भरा बनाना चाहिए। कदम-से-कदम मिलाएंगे भारत को स्वच्छ बनाएंगे। एक कदम स्वच्छता की ओर बढ़ाएंगे। भारत को सुंदर एवं स्वच्छ बनाएंगे।

(iv) पर्यावरण ⇒ पर्यावरण दो शब्दो से मिलकर बना है। परि + आवरण पर्यावरण हमें जीवन देते है।
चिपको आंदोलन, वृक्षों की रक्षा से संबंधित एक आंदोलन है। इसमें क्षेत्रीय महिलाओं ने भाग लिया था। उनका मानना था कि हम लोग वृक्षो की कटाई को रोकेंगे। जब पेड़ो को काटा जाता था। तब महिलाए कहती कि पहले हमें काटो फिर पेड़ो को इसीप्रकार महिलाओ ने अपना अधिकार जताया और वृक्षों की कटाई को रोका। इसी प्रकार हम लोगों को भी पेड़-पौधो की कटाई न करके अधिक-से अधिक लगाना चाहिए। प्लास्टिक का कम उपयोग करना चाहिए जिससे हमारा पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

(v) विकसित भारत का पाचवाँ आधार
जल संरक्षण ⇒ “जल है तो कल है” जल ही जीवन है। जल की एक-एक बूंद हमारे लिए स्वर्ग है। इसीलिए जल की एक-एक बूंद को जोड़कर महासागर बनाया जा सकता है। यदि हम लोग जल बचाएंगे तभी अपना आने वाला कल पाएंगे। यदि हम अपनी

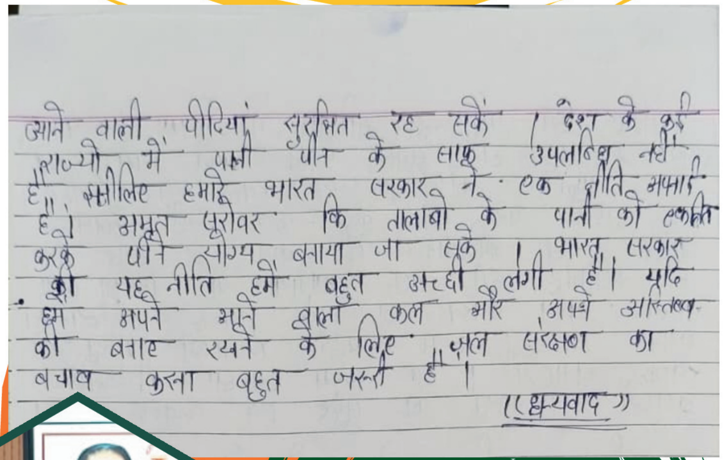
आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रह सकें। देश के कई राज्यो में पानी पीने के लायक उपलब्ध नहीं है। इसीलिए हमारे भारत सरकार ने एक नीति अपनाई है। अमृत सरोवर कि तालाबो के पानी को एकत्रित करके पीने योग्य बनाया जा सके। भारत सरकार की यह नीति हमें बहुत अच्छी लगी है। यदि हम अपने आने वाला कल और अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए जल संरक्षण का बचाव करना बहुत जरूरी है।
«धन्यवाद»

नाम: रिया यादव
कक्षा: 12
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज
विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर

स्थान: प्रथम

(पृष्ठ 01) (पृष्ठ 02) (पृष्ठ 03)

नाम: राम जी भदौरिया

कक्षा: 10

विद्यालय का नाम:

भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर

स्थान: द्वितीय

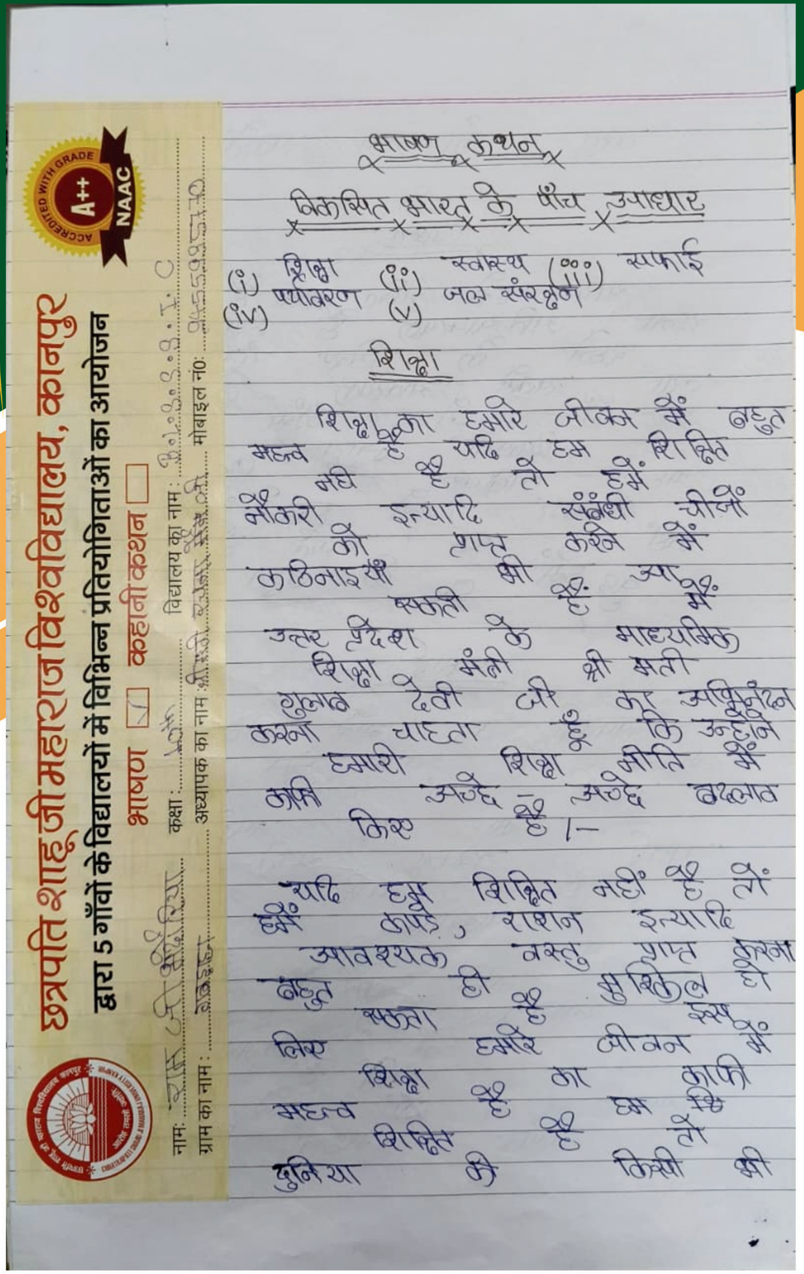

भाषण कथन

विकसित भारत के पाँच उपाधार

(i) शिक्षा (ii) स्वास्थ (iii) सफाई (iv) पर्यावरण (v) जल संरक्षण

शिक्षा

शिक्षा का हमारे जीवन में बहुत महत्व है यदि हम शिक्षित नहीं है तो हमें नौकरी इत्यादि संबंधी चीजों को प्राप्त करने में कठिनाइयाँ भी आ सकती हैं मैं उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंत्री श्री मती गुलाब देवी जी का अभिनंदन करना चाहता हूँ कि उन्होंने हमारी शिक्षा नीति में काफी अच्छे अच्छे बदलाव किए हैं।

यदि हम शिक्षित नहीं है तो हमें कपड़े, राशन इत्यादि आवश्यक वस्तु प्राप्त करना बहुत ही मुश्किल हो सकता है इसलिए हमारे जीवन में शिक्षा का काफी महत्व है यदि हम शिक्षित है तो दुनिया की किसी भी

(पृष्ठ 01)

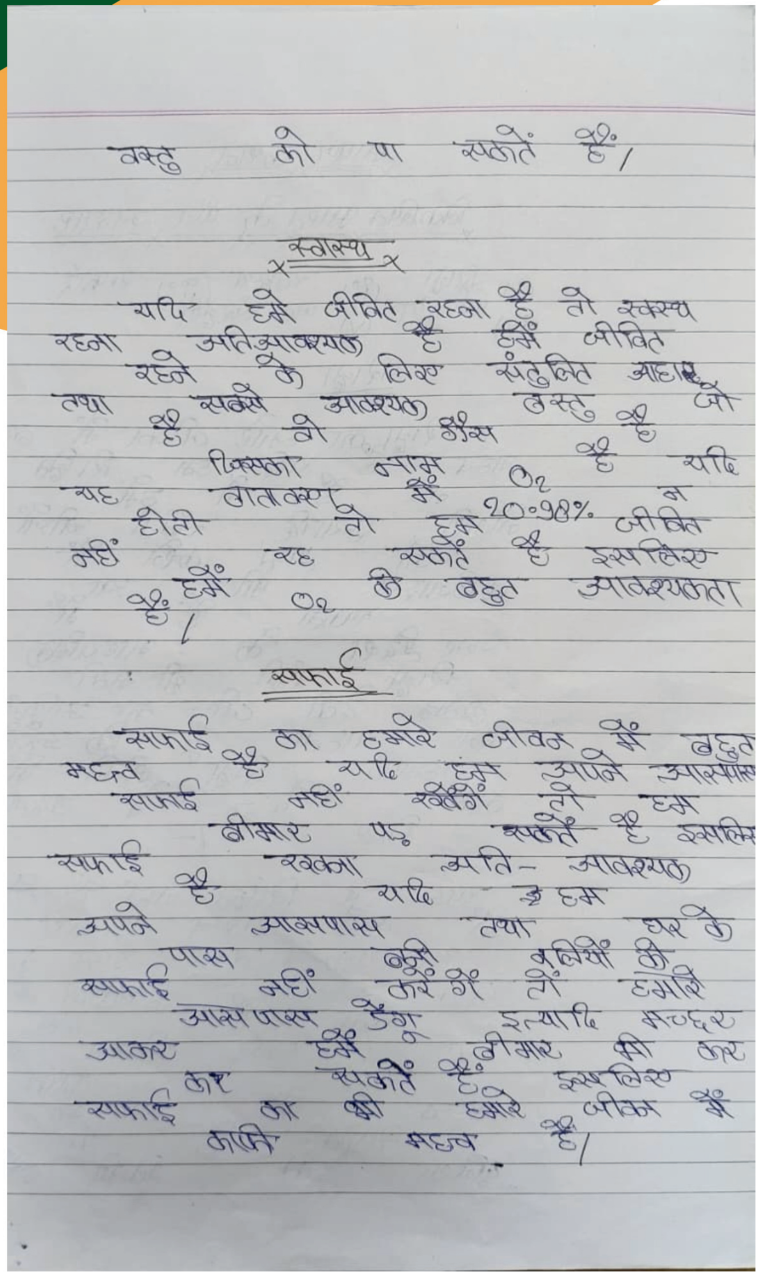

वस्तु को पा सकते हैं।

स्वास्थ

यदि हमें जीवित रहना है तो स्वस्थ रहना अतिआवश्यक है हमें जीवित रहने के लिए संतुलित आहार तथा सबसे आवश्यक वस्तु जो है वो गैस है जिसका नाम O_2 है यदि यह वातावरण में 20.98% न होती तो हम जीवित नहीं रह सकते हैं इसलिए हमें O_2 की बहुत आवश्यकता है।

सफाई

सफाई का हमारे जीवन में बहुत महत्व है यदि हम अपने आसपास सफाई नहीं रखेंगे तो हम बीमार पड़ सकते है इसलिए सफाई रखना अति- आवश्यक है यदि हम अपने आसपास तथा घर के पास नालियों की सफाई नहीं करेंगे तो हमारे आस पास डेंगू इत्यादि मच्छर आकर हमें बीमार भी कर सकते हैं इसलिए सफाई का भी हमारे जीवन में काफी महत्व है।

(पृष्ठ 02)

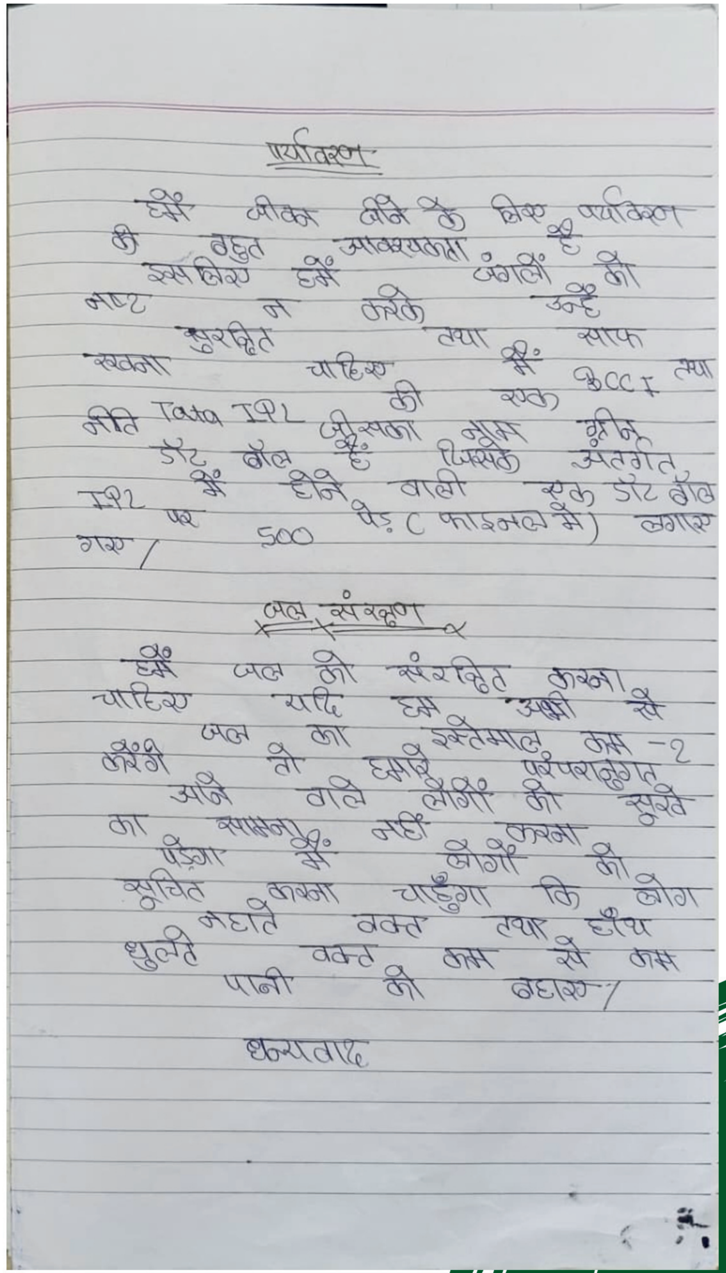

पर्यावरण

हमें जीवन जीने के लिए पर्यावरण की बहुत आवश्यकता है इसलिए हमें जंगलों को नष्ट न करके उन्हें सुरक्षित तथा साफ रखना चाहिए मैं BCCI तथा Tata IPL की एक नीति जिसका नाम ग्रीन डॉट बॉल है जिसके अंतर्गत IPL में होने वाली एक डॉट बॉल पर 500 पेड़ (फाइनल में) लगाए गए।

जल संरक्षण

हमें जल को संरक्षित करना चाहिए यदि हम अभी से जल का इस्तेमाल कम-2 करेंगे तो हमारे परंपरागत आने वाले लोगों को सूखे का सामना नहीं करना पड़ेगा मैं लोगों को सूचित करना चाहूंगा कि लोग नहाते वक्त तथा हाथ धुलते वक्त कम से कम पानी को बहाए।

धन्यवाद

(पृष्ठ 03)

भाषण प्रतियोगिता
प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता

दिनांक: 29/30 जून 2026

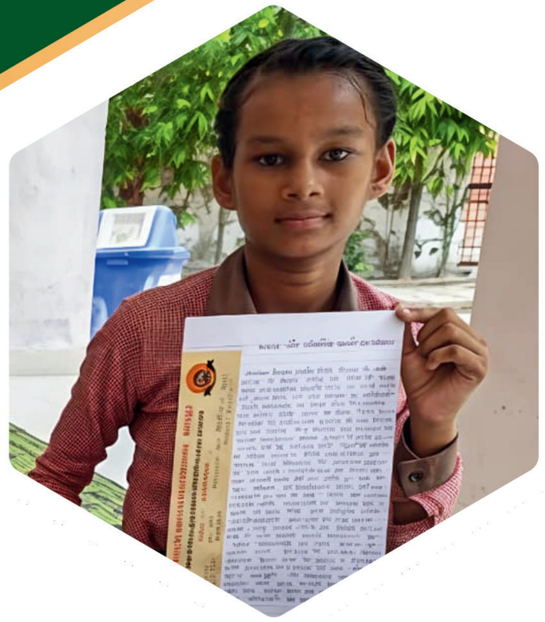

प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय
कक्षा समूह-01
(कक्षा 03 से 08 तक)

विषय: संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर
प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ईश्वरीगंज
29-06-2026

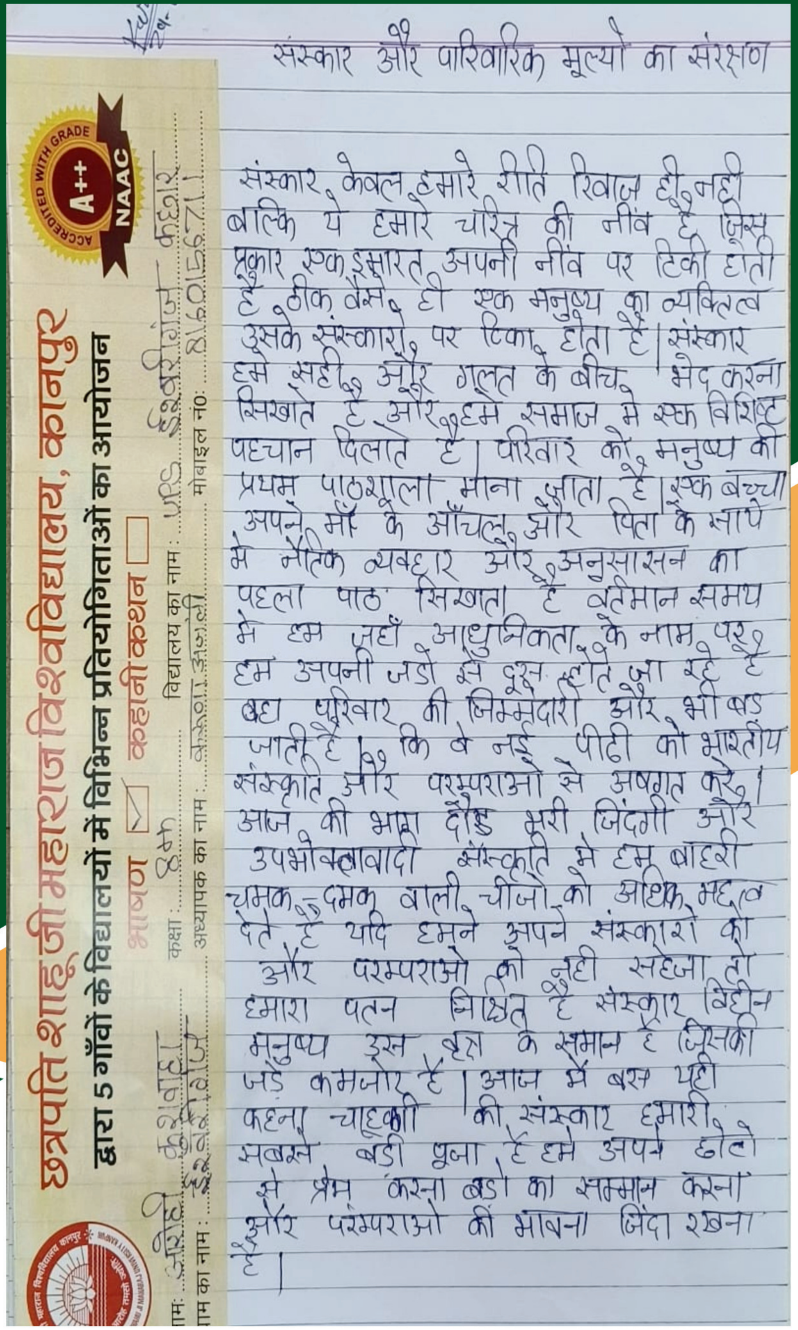

संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

संस्कार केवल हमारे रीति रिवाज ही नही बल्कि ये हमारे चरित्र की नींव है जिस प्रकार एक इमारत अपनी नींव पर टिकी होती है ठीक वैसे ही एक मनुष्य का व्यक्तित्व उसके संस्कारो पर टिका होता है। संस्कार हमे सही और गलत के बीच भेद करना सिखाते है और हमे समाज मे एक विशिष्ट पहचान दिलाते है। परिवार को मनुष्य की प्रथम पाठशाला माना जाता है। एक बच्चा अपने माँ के आँचल और पिता के साये मे नैतिक व्यवहार और अनुसासन का पहला पाठ सिखता है वर्तमान समय मे हम जहाँ आधुनिकता के नाम पर हम अपनी जडो से दूर होते जा रहे है वहा परिवार की जिम्मेदारी और भी बढ जाती है कि वे नई पीढी को भारतीय संस्कृति और परम्पराओ से अवगत करे। आज की भाग दौड भरी जिंदगी और उपभोक्तावादी संस्कृति मे हम बाहरी चमक-दमक वाली चीजो को अधिक महत्व देते है यदि हमने अपने संस्कारो को और परम्पराओ को नही सहेजा तो हमारा पतन निश्चित है संस्कार विहीन मनुष्य उस वृक्ष के समान है जिसकी जडे कमजोर है। आज मैं बस यही कहना चाहूंगी की संस्कार हमारी सबसे बडी पूजा है हमे अपने छोटो से प्रेम करना बडो का सम्मान करना और परम्पराओ की भावना जिंदा रखना है।

नाम: आरोही कुशवाहा
कक्षा: 8
स्थान: प्रथम

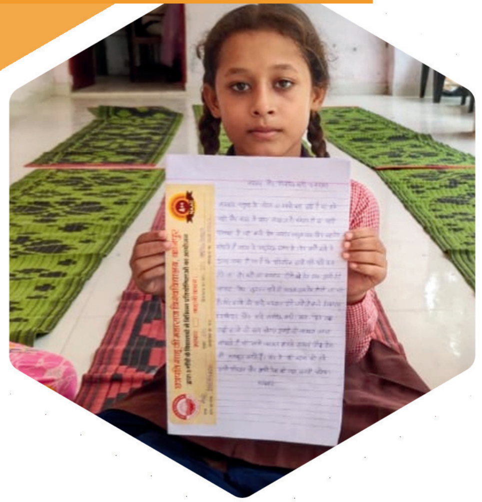

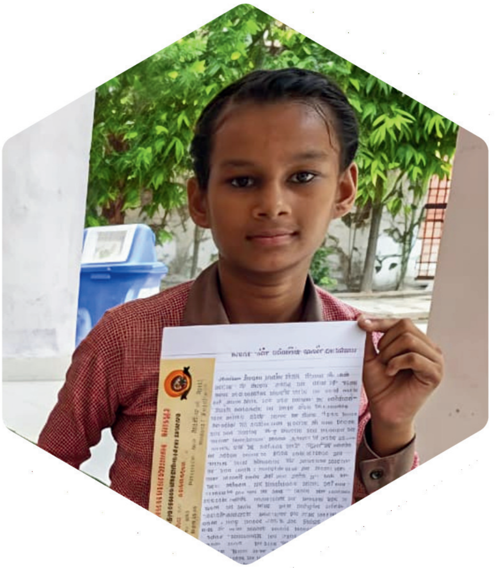

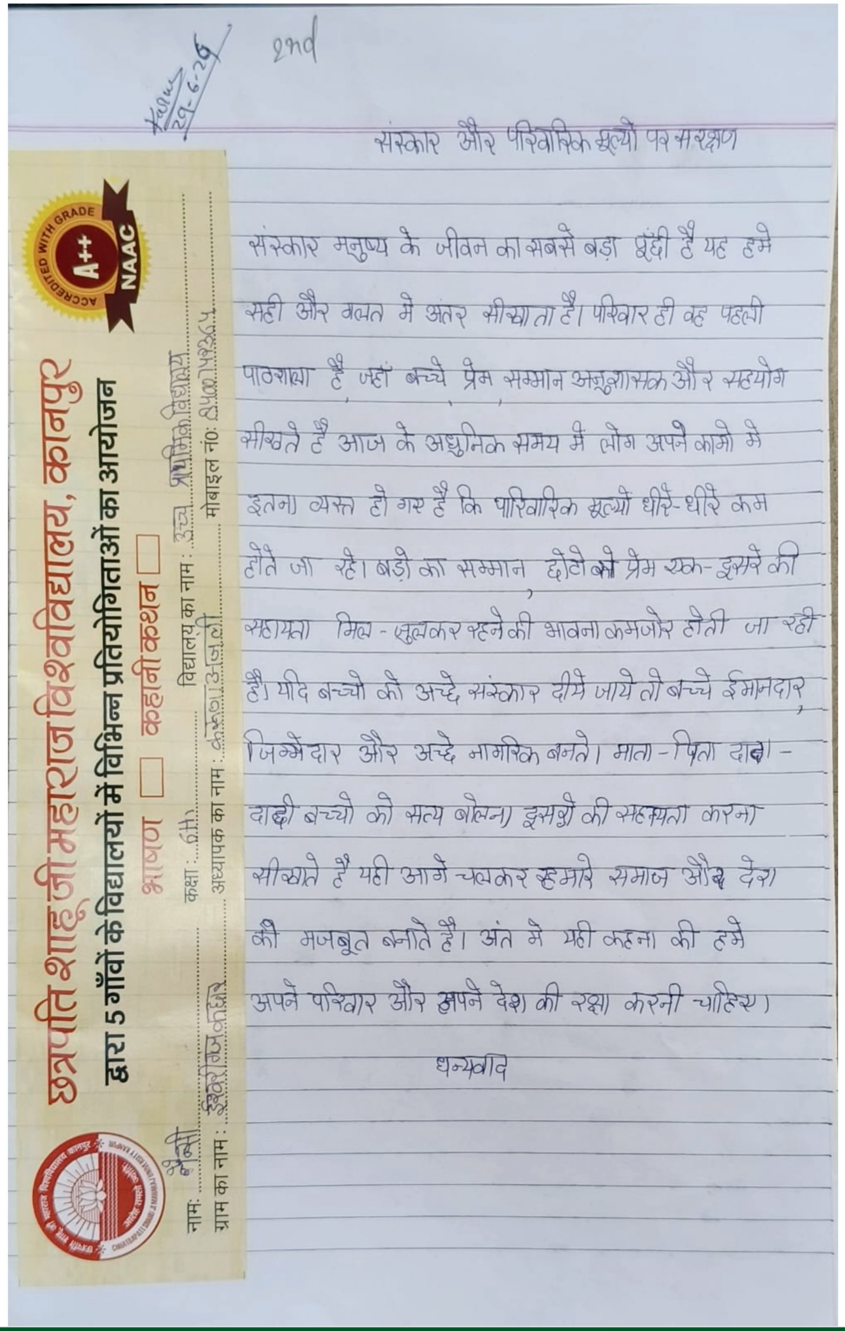

2nd

संस्कार और परिवारिक मूल्यो पर संरक्षण

संस्कार मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा पूंजी है यह हमे सही और गलत मे अंतर सीखाता है। परिवार ही वह पहली पाठशाला है, जहां बच्चे प्रेम, सम्मान, अनुशासन और सहयोग सीखते है आज के अधुनिक समय मैं लोग अपने कामो मे इतना व्यस्त हो गए है कि पारिवारिक मूल्यों धीरे-धीरे कम होते जा रहे। बड़ो का सम्मान, छोटो को प्रेम एक-दूसरे की सहायता मिल-जुलकर रहने की भावना कमजोर होती जा रही है। यदि बच्चो को अच्छे संस्कार दीये जाये तो बच्चे ईमानदार, जिम्मेदार और अच्छे नागरिक बनते। माता-पिता दादा-दादी बच्चो को सत्य बोलना दूसरो की सहायता करना सीखाते है यही आगे चलकर हमारे समाज और देश को मजबूत बनाते है। अंत मे यही कहना की हमे अपने परिवार और अपने देश की रक्षा करनी चाहिए।

धन्यवाद

नाम: नैंसी
कक्षा: 06
स्थान: द्वितीय

ग्राम- उदेतपुर, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, उदेतपुर
30-06-2026

नाम: मान्या राठौर
कक्षा: 5
स्थान: प्रथम

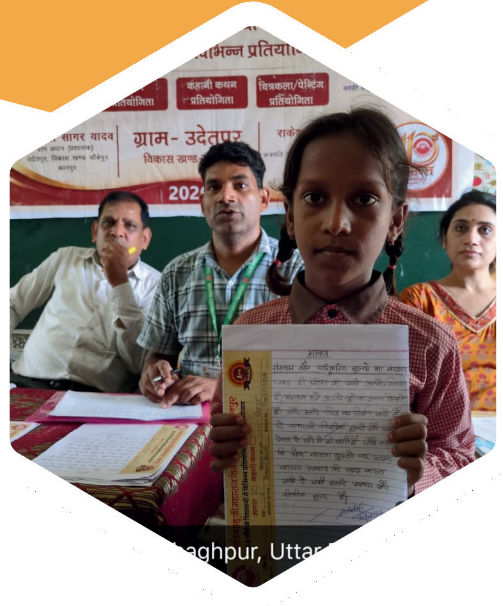

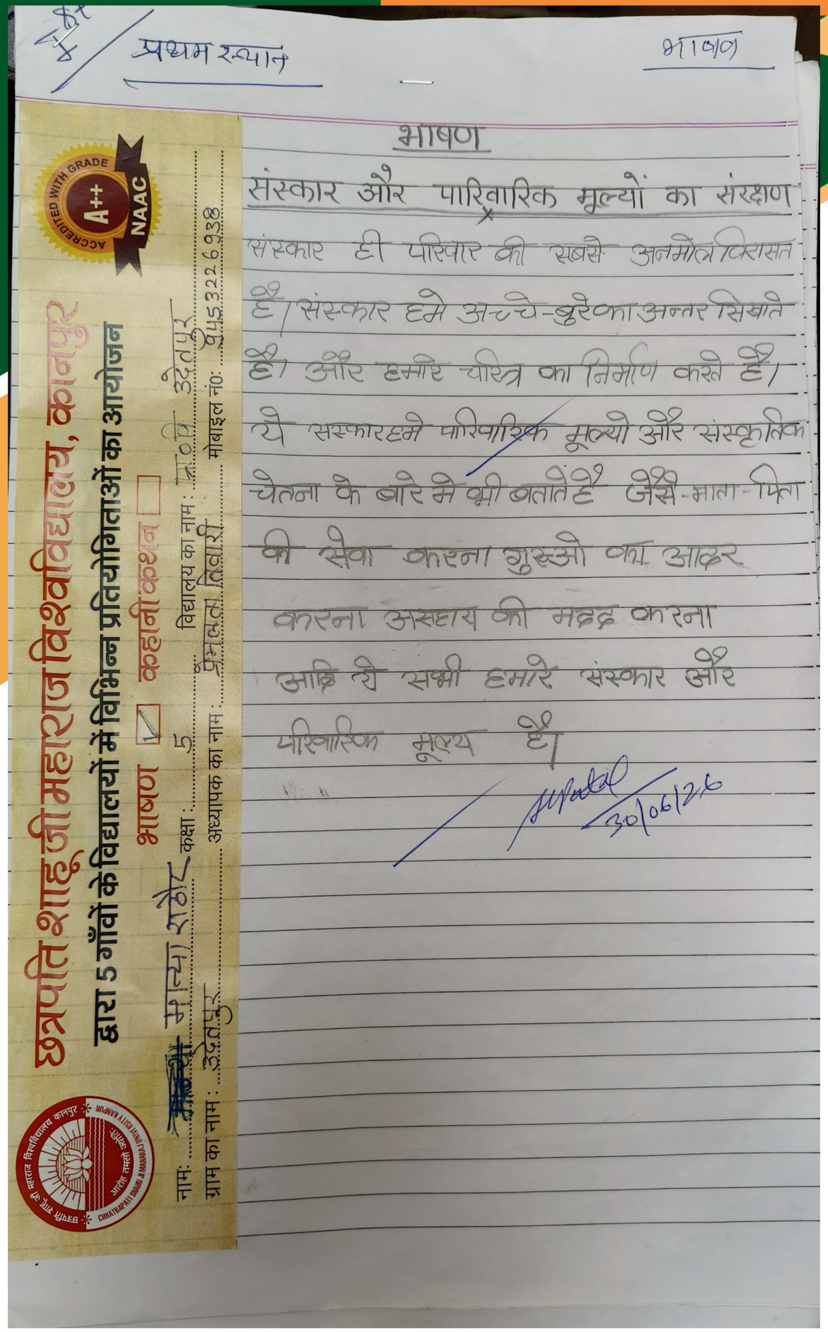
प्रथम स्थान भाषण

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: मान्या राठौर कक्षा: 5 विद्यालय का नाम: प्रा० वि० उदेतपुर
ग्राम का नाम: उदेतपुर अध्यापक का नाम: प्रेमलता तिवारी मोबाइल नं: 9453226938

भाषण

संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

संस्कार ही परिवार की सबसे अनमोल विरासत हैं। संस्कार हमे अच्छे-बुरे का अन्तर सिखाते हैं और हमारे चरित्र का निर्माण करते हैं। ये संस्कार हमें पारिवारिक मूल्यों और संस्कृति चेतना के बारे मे भी बतातें हैं जैसे-माता-पिता की सेवा करना गुरुओं का आदर करना असहाय की मदद करना आदि ये सभी हमारे संस्कार और पारिवारिक मूल्य हैं।

30/06/26

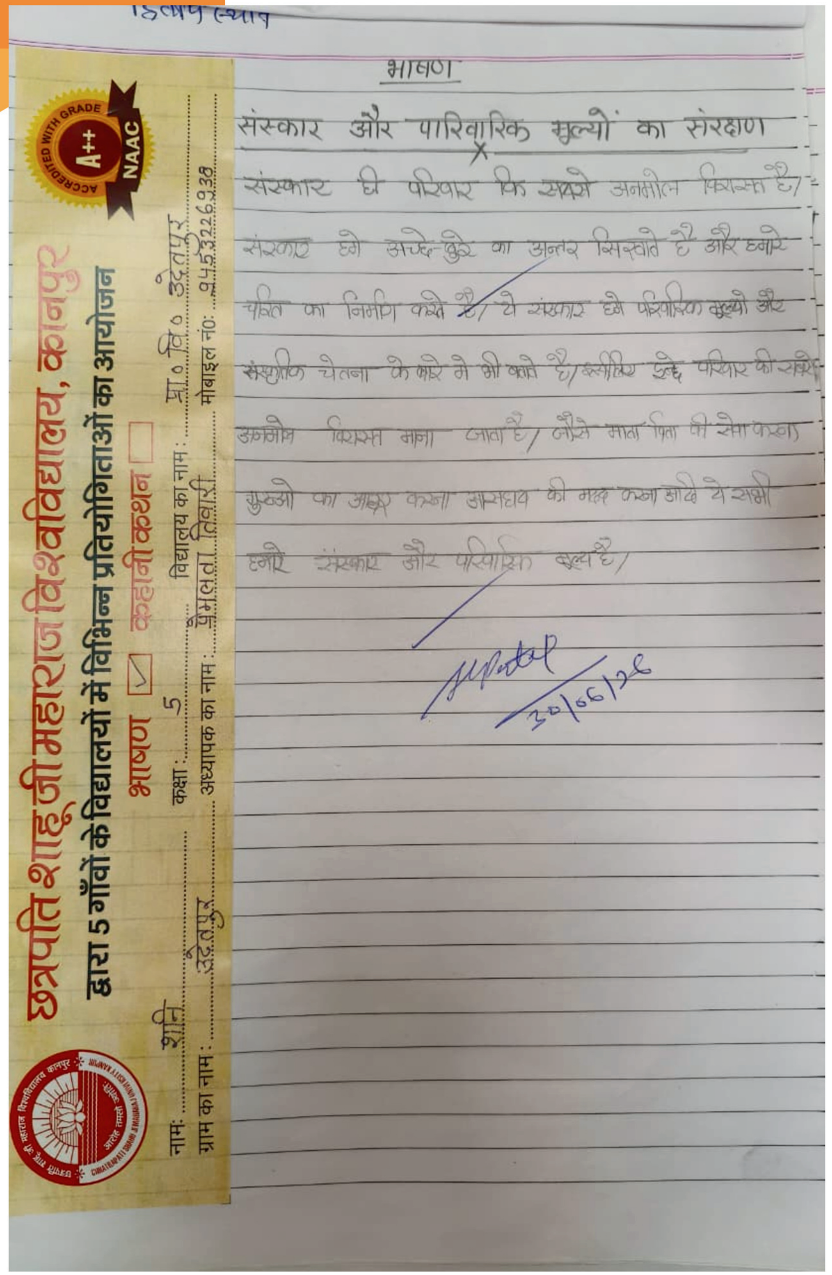
द्वितीय स्थान

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: शनि कक्षा: 5 विद्यालय का नाम: प्रा० वि० उदेतपुर
ग्राम का नाम: उदेतपुर अध्यापक का नाम: प्रेमलता तिवारी मोबाइल नं: 9453226938

भाषण

संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

संस्कार ही परिवार कि सबसे अनमोल विरासत है। संस्कार हमे अच्छे बुरे का अन्तर सिखाते हैं और हमारे चरित्र का निर्माण करते हैं। ये संस्कार हमे पारिवारिक मूल्यों और संस्कृति चेतना के बारे मे भी बताते हैं। क्योंकि इन्हें परिवार की सबसे अनमोल विरासत माना जाता है। जैसे माता पिता की सेवा करना गुरुओं का आदर करना असहाय की मदद करना आदि ये सभी हमारे संस्कार और परिवारिक मूल्य हैं।

30/06/26

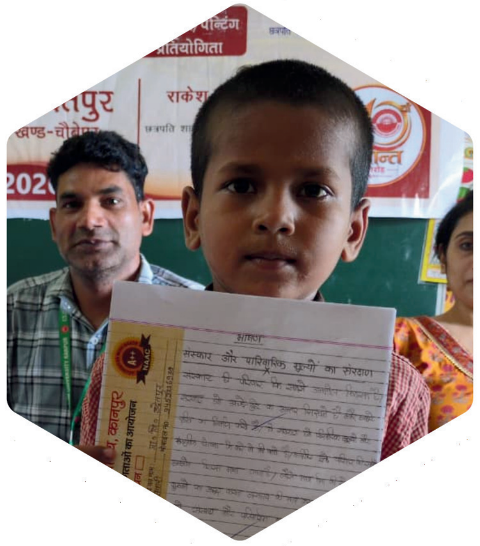

नाम: शनि
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

ग्राम- उदेतपुर, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, घाघपुर
30-06-2026

नाम: पूर्वी
कक्षा: 3
स्थान: प्रथम

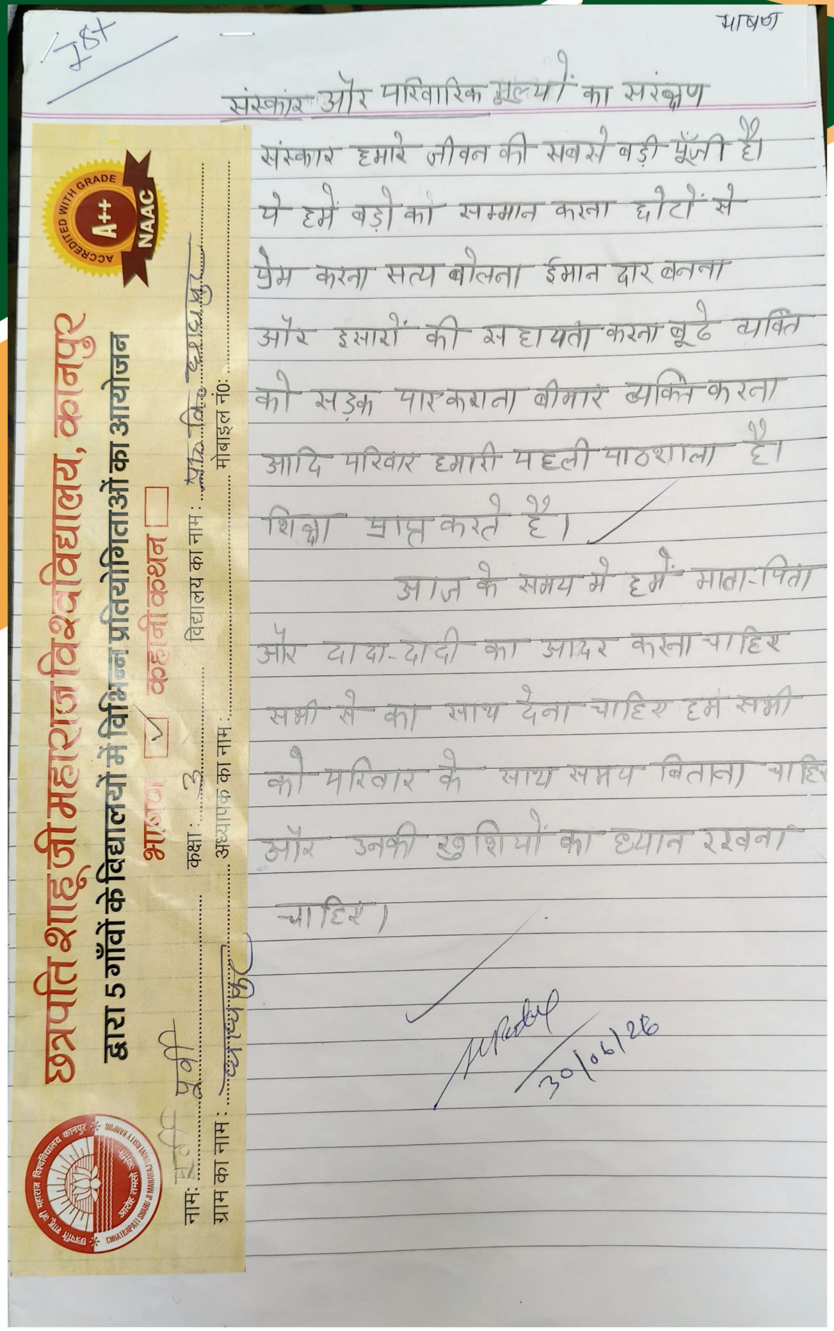

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: पूर्वी कक्षा: 3

संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

संस्कार हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। ये हमें बड़ों का सम्मान करना छोटों से प्रेम करना सत्य बोलना ईमान दार बनना और दूसरों की सहायता करना बूढ़े व्यक्ति को सड़क पार कराना बीमार व्यक्ति करना आदि परिवार हमारी पहली पाठशाला है। शिक्षा प्राप्त करते हैं।

आज के समय में हमें माता-पिता और दादा-दादी का आदर करना चाहिए सभी से का साथ देना चाहिए हमें सभी को परिवार के साथ समय बिताना चाहिए और उनकी खुशियों का ध्यान रखना चाहिए।

30/06/26

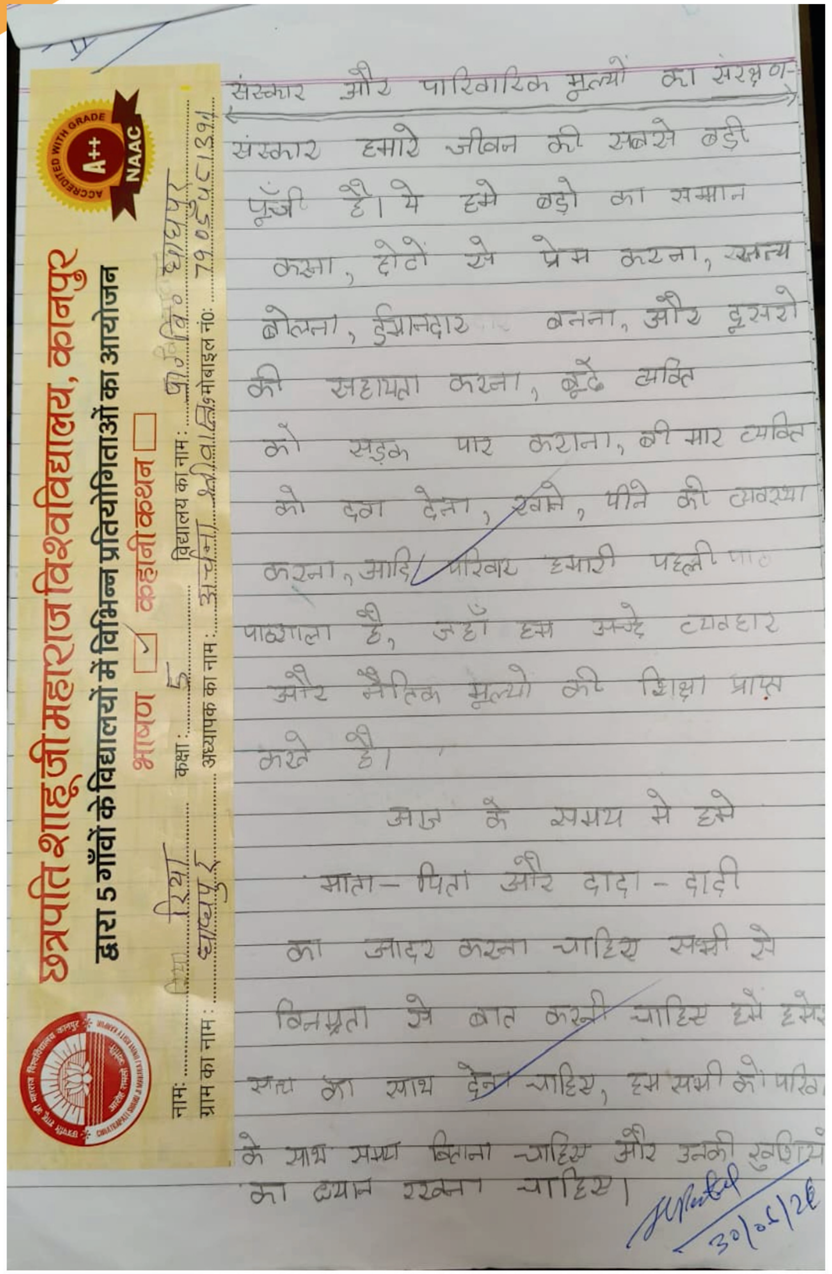

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: रिया कक्षा: 5

संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण

संस्कार हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। ये हमें बड़ों का सम्मान करना, छोटों से प्रेम करना, सत्य बोलना, ईमानदार बनना, और दूसरों की सहायता करना, बूढ़े व्यक्ति को सड़क पार कराना, बीमार व्यक्ति को दवा देना, खाने, पीने की व्यवस्था करना, आदि परिवार हमारी पहली पाठशाला है, जहाँ हम अच्छे व्यवहार और नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्राप्त करते हैं।

आज के समय में हमें माता-पिता और दादा-दादी का आदर करना चाहिए सभी से विनम्रता से बात करनी चाहिए हमें हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए, हम सभी को परिवार के साथ समय बिताना चाहिए और उनकी खुशियों का ध्यान रखना चाहिए।

30/06/26

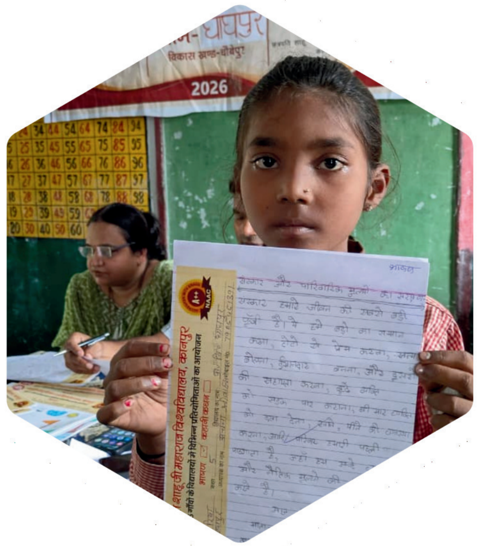

नाम: रिया
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर

प्राथमिक विद्यालय (प्रथम), (द्वितीय), पूर्व माध्यमिक विद्यालय

30-06-2026

नाम: अयांश

कक्षा: 4

स्थान: प्रथम

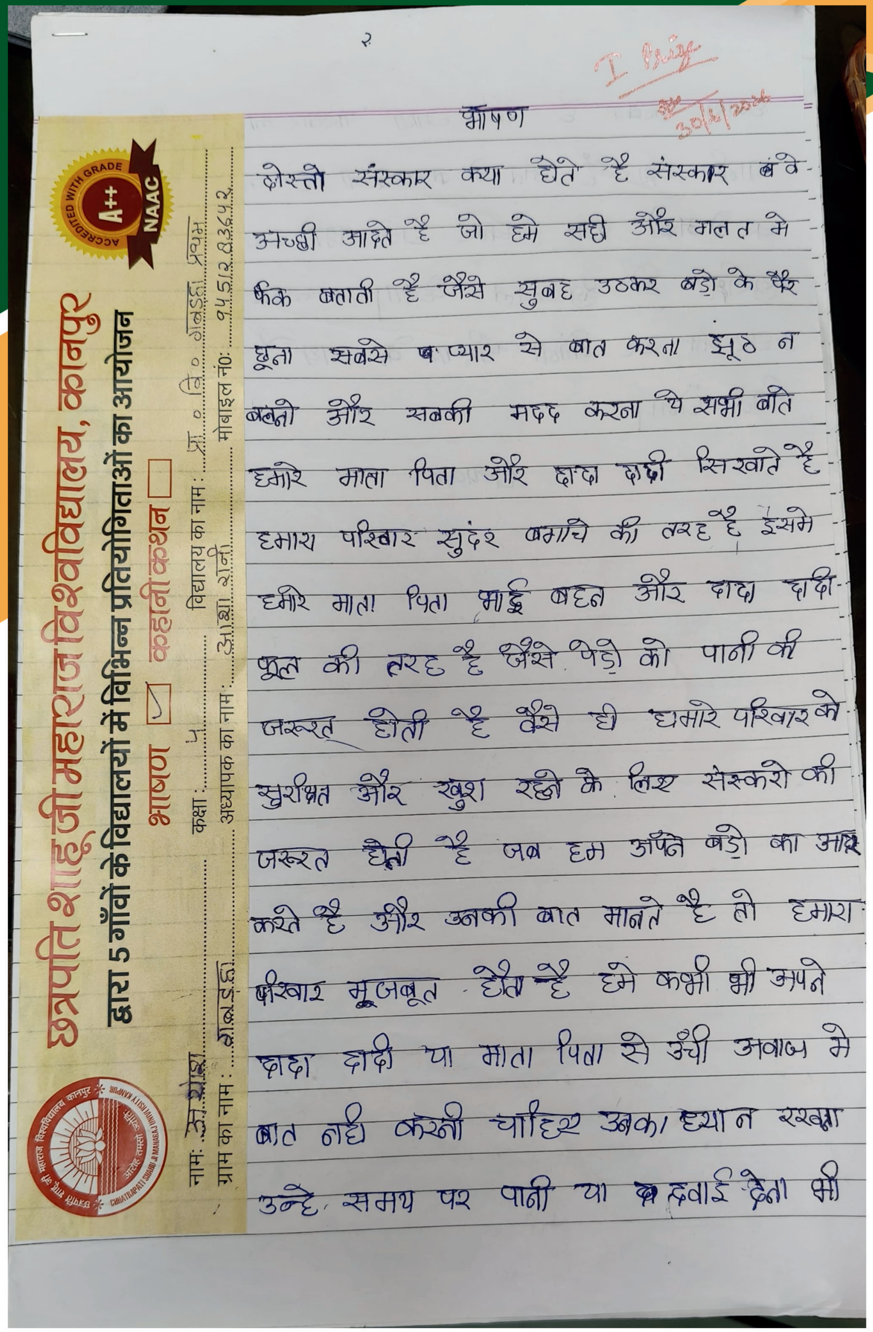

भाषण

दोस्तो संस्कार क्या होते है संस्कार बचे अच्छी आदते है जो हमे सही और गलत मे फर्क बताती है जैसे सुबह उठकर बड़ो के पैर छूना सबसे प्यार से बात करना झूठ न बलना और सबकी मदद करना ये सभी बाते हमारे माता पिता और दादा दादी सिखाते है हमारा परिवार सुंदर बगीचे की तरह है इसमे हमारे माता पिता भाई बहन और दादा दादी फूल की तरह है जैसे पेड़ो को पानी की जरूरत होती है वैसे ही हमारे परिवार को सुरक्षित और खुश रहने के लिए संस्कारो की जरूरत होती है जब हम अपने बड़ो का आदर करते है और उनकी बात मानते है तो हमारा परिवार मजबूत होता है हमे कभी भी अपने दादा दादी या माता पिता से ऊँची अवाज मे बात नही करनी चाहिए उनका ध्यान रखना उन्हे समय पर पानी या दवाई देना भी

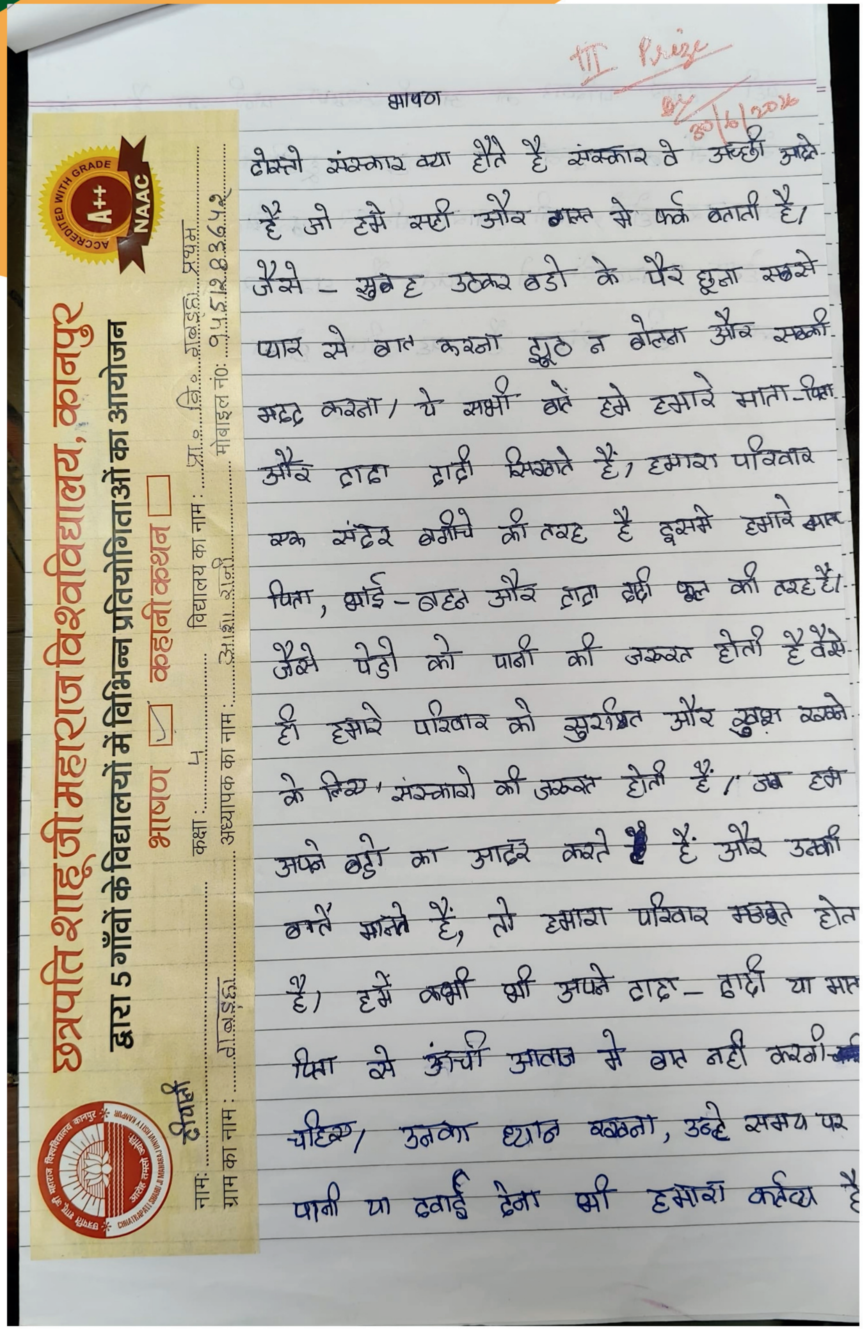

भाषण

दोस्तो संस्कार क्या होते है संस्कार वे अच्छी आदते है जो हमे सही और गलत मे फर्क बताती है, जैसे – सुबह उठकर बड़ो के पैर छूना सबसे प्यार से बात करना झूठ न बोलना और सबकी मदद करना। ये सभी बाते हमे हमारे माता-पिता और दादा दादी सिखाते हैं, हमारा परिवार एक सुंदर बगीचे की तरह है इसमे हमारे माता पिता, भाई-बहन और दादा दादी फूल की तरह है। जैसे पेड़ो को पानी की जरूरत होती है वैसे ही हमारे परिवार को सुरक्षित और खुश रखने के लिए संस्कारो की जरूरत होती है। जब हम अपने बड़ो का आदर करते हैं और उनकी बातें मानते हैं, तो हमारा परिवार मजबूत होता है। हमें कभी भी अपने दादा-दादी या माता पिता से ऊँची आवाज मे बात नही करनी चाहिए, उनका ध्यान रखना, उन्हे समय पर पानी या दवाई देना भी हमारा कर्तव्य है

नाम: दीपाली

कक्षा: 04

स्थान: द्वितीय

ग्राम- सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर

प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय

29-06-2026

नाम: साहिल वर्मा

कक्षा: 8

स्थान: प्रथम

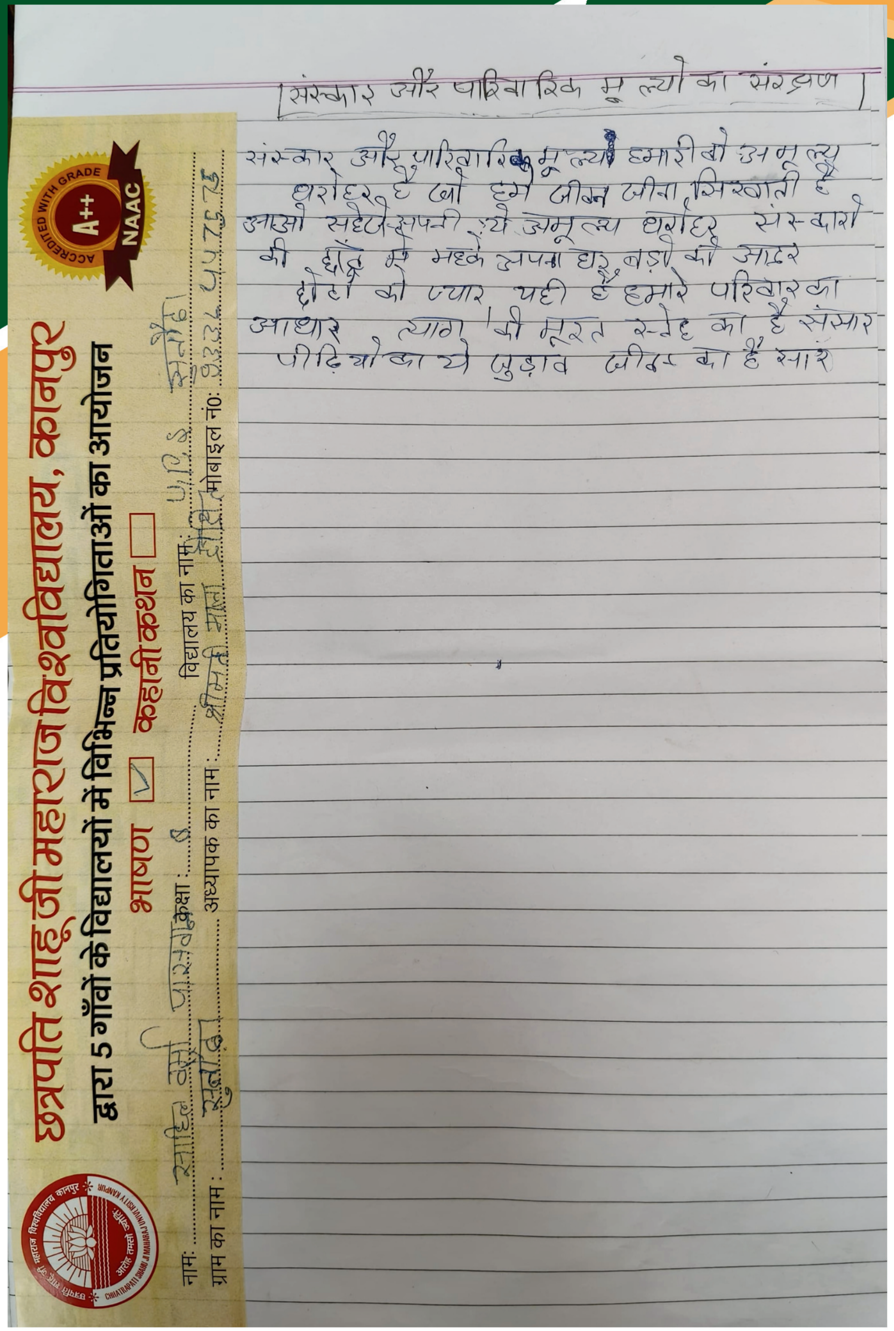

[संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण]

संस्कार और पारिवारिक मूल्यों हमारी वो अमूल्य धरोहर है जो हमे जीवन जीना सिखाती है आओ सहेजे अपनी ये अमूल्य धरोहर संस्कारों की छांव मे महके अपना घर, बड़ो को आदर छोटो को प्यार यही है हमारे परिवार का आधार त्याग की मूरत स्नेह का है संसार पीढ़ियों का ये जुड़ाव जीवन का है सार

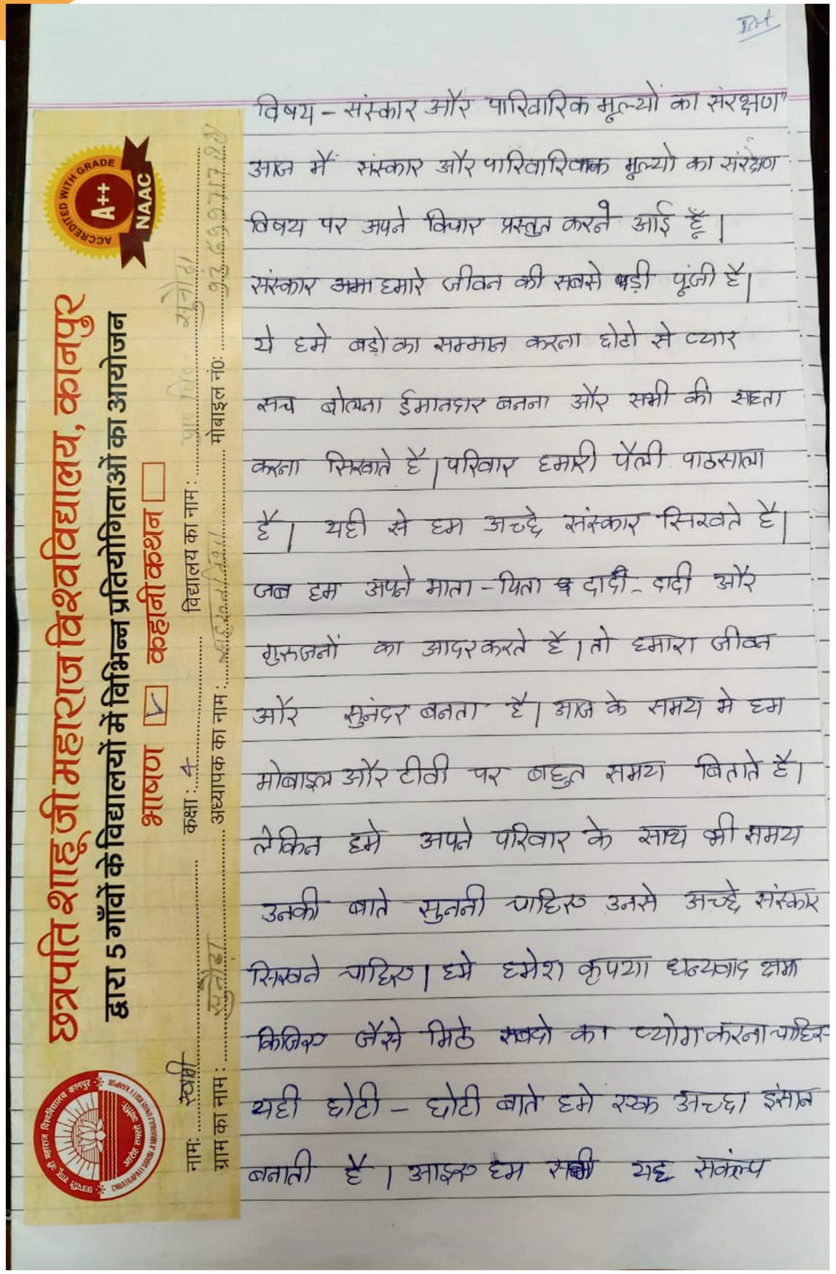

विषय - संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण"

आज मैं संस्कार और पारिवारिक मूल्यो का संरक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने आई हूँ। संस्कार हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। ये हमे बड़ो का सम्मान करना छोटो से प्यार सच बोलना ईमानदार बनना और सभी की सहता करना सिखाते हैं। परिवार हमारी पैली पाठसाला है। यही से हम अच्छे संस्कार सिखते हैं। जब हम अपने माता-पिता व दादी-दादी और गुरुजनों का आदर करते हैं। तो हमारा जीवन और सुन्दर बनता है। आज के समय मे हम मोबाइल और टीवी पर बहुत समय बिताते हैं। लेकिन हमे अपने परिवार के साथ भी समय उनकी बाते सुननी चाहिए उनसे अच्छे संस्कार सिखने चाहिए। हमे हमेशा कृपया धन्यवाद क्षमा किजिए जैसे मिठे शब्दो का प्योग करना चाहिए यही छोटी - छोटी बाते हमे एक अच्छा इंसान बनाती हैं। आइए हम सभी यह संकल्प

नाम: स्वाति

कक्षा: 04

स्थान: द्वितीय

ग्राम- परगही बांगर , विकास खण्ड कल्यानपुर
प्राथमिक विद्यालय
30-06-2026

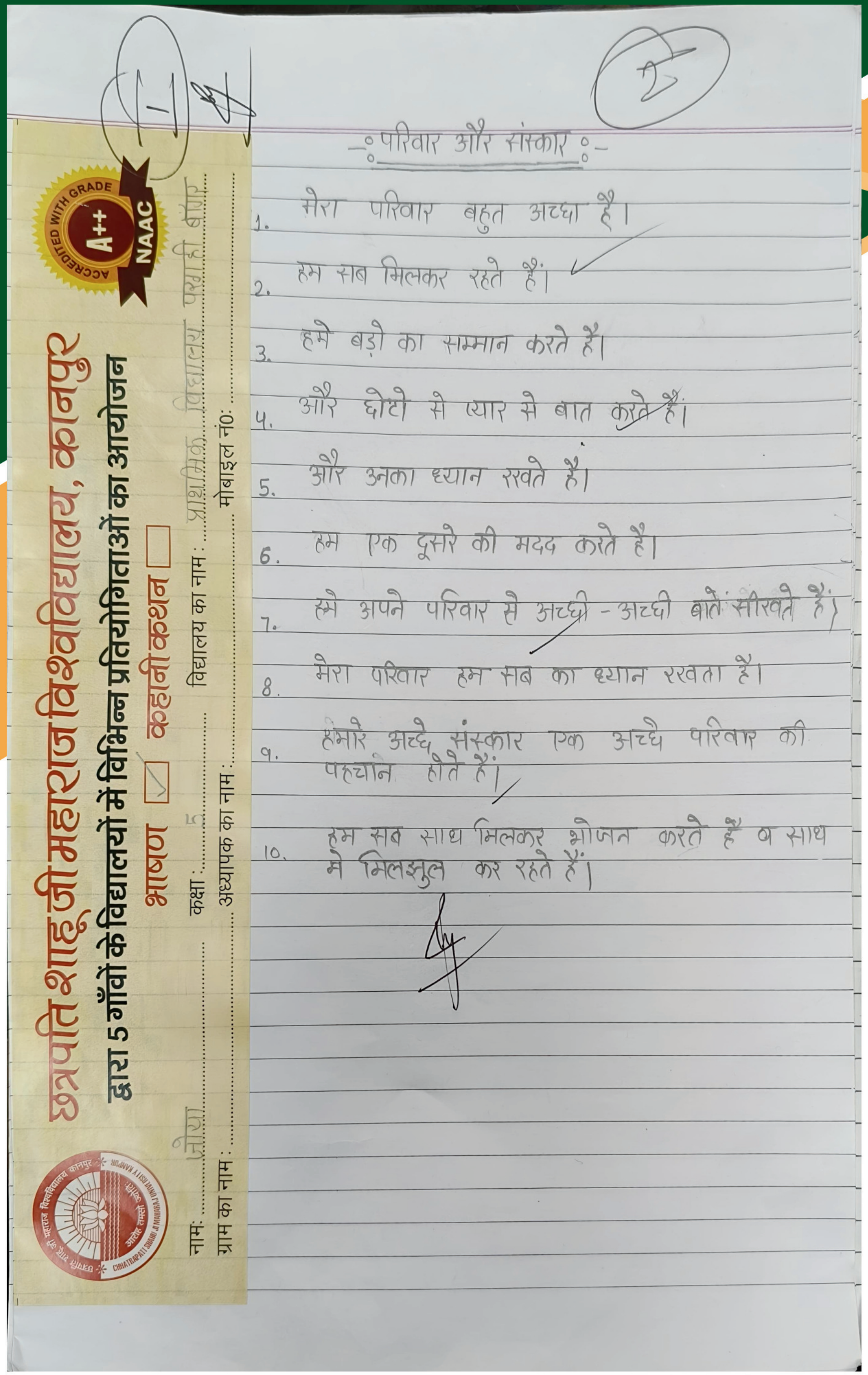
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☐

-: परिवार और संस्कार :-

1. मेरा परिवार बहुत अच्छा है।
2. हम सब मिलकर रहते हैं।
3. हमे बड़ो का सम्मान करते है।
4. और छोटो से प्यार से बात करते हैं।
5. और उनका ध्यान रखते है।
6. हम एक दूसरे की मदद करते है।
7. हमे अपने परिवार से अच्छी-अच्छी बातें सीखते हैं।
8. मेरा परिवार हम सब का ध्यान रखता है।
9. हमारे अच्छे संस्कार एक अच्छे परिवार की पहचान होते हैं।
10. हम सब साथ मिलकर भोजन करते हैं व साथ मे मिलझुल कर रहते हैं।

नाम: जोया
कक्षा: 5
स्थान: प्रथम

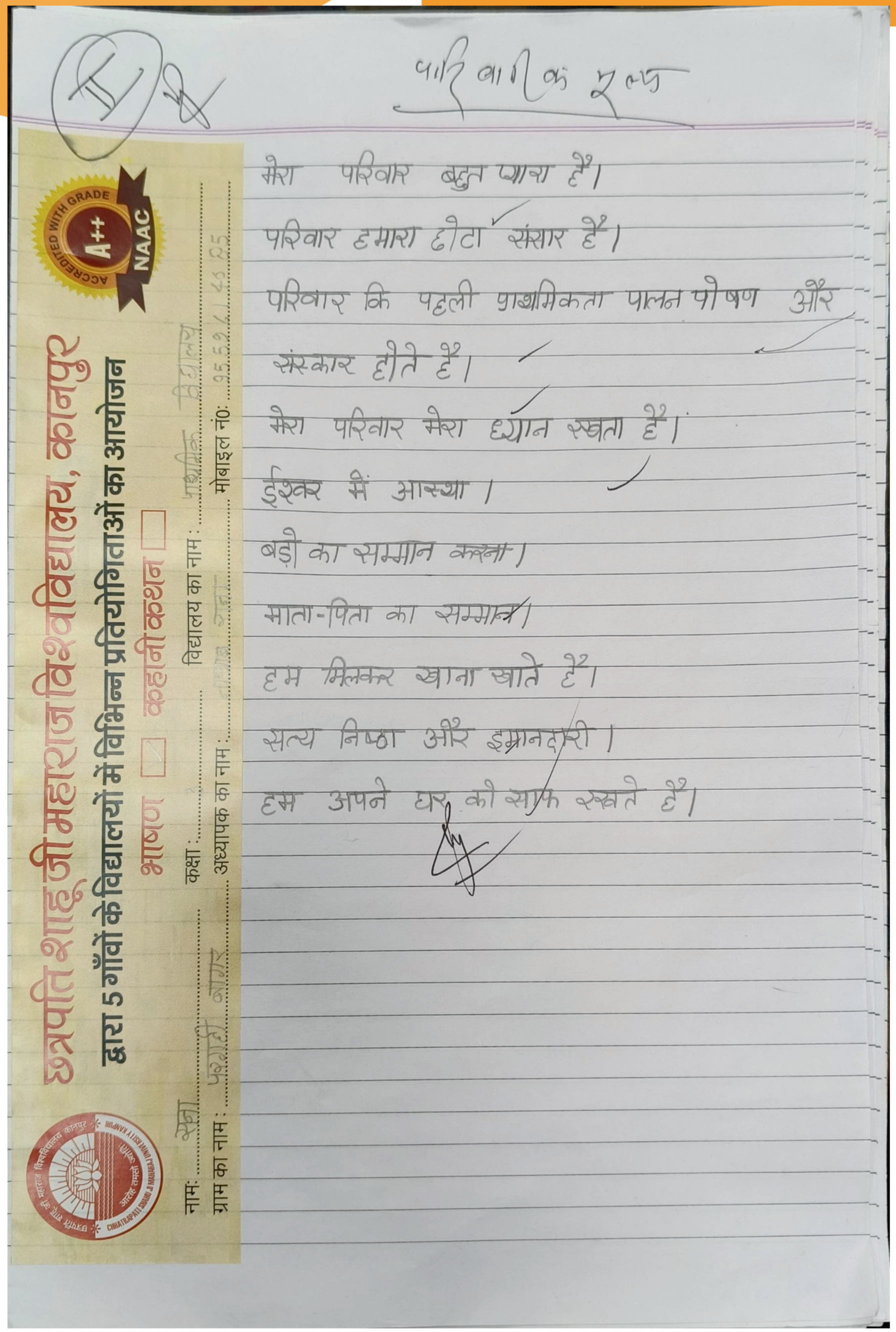
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☐

पारिवारिक रूप

मेरा परिवार बहुत प्यारा है।
परिवार हमारा छोटा संसार है।
परिवार कि पहली प्राथमिकता पालन पोषण और संस्कार होते है।
मेरा परिवार मेरा ध्यान रखता है।
ईश्वर में आस्था।
बड़ो का सम्मान करना।
माता-पिता का सम्मान।
हम मिलकर खाना खाते है।
सत्य निष्ठा और इमानदारी।
हम अपने घर को साफ रखते है।

नाम: सना
कक्षा: 03
स्थान: द्वितीय

भाषण प्रतियोगिता
प्रथम चरण

दिनांक: 02 जुलाई 2026

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट विद्यालय

कक्षा समूह-02
(कक्षा 09 से 12 तक)

विषय: विकसित भारत के 5 आधार- शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई पर्यावरण एवं जल संरक्षण

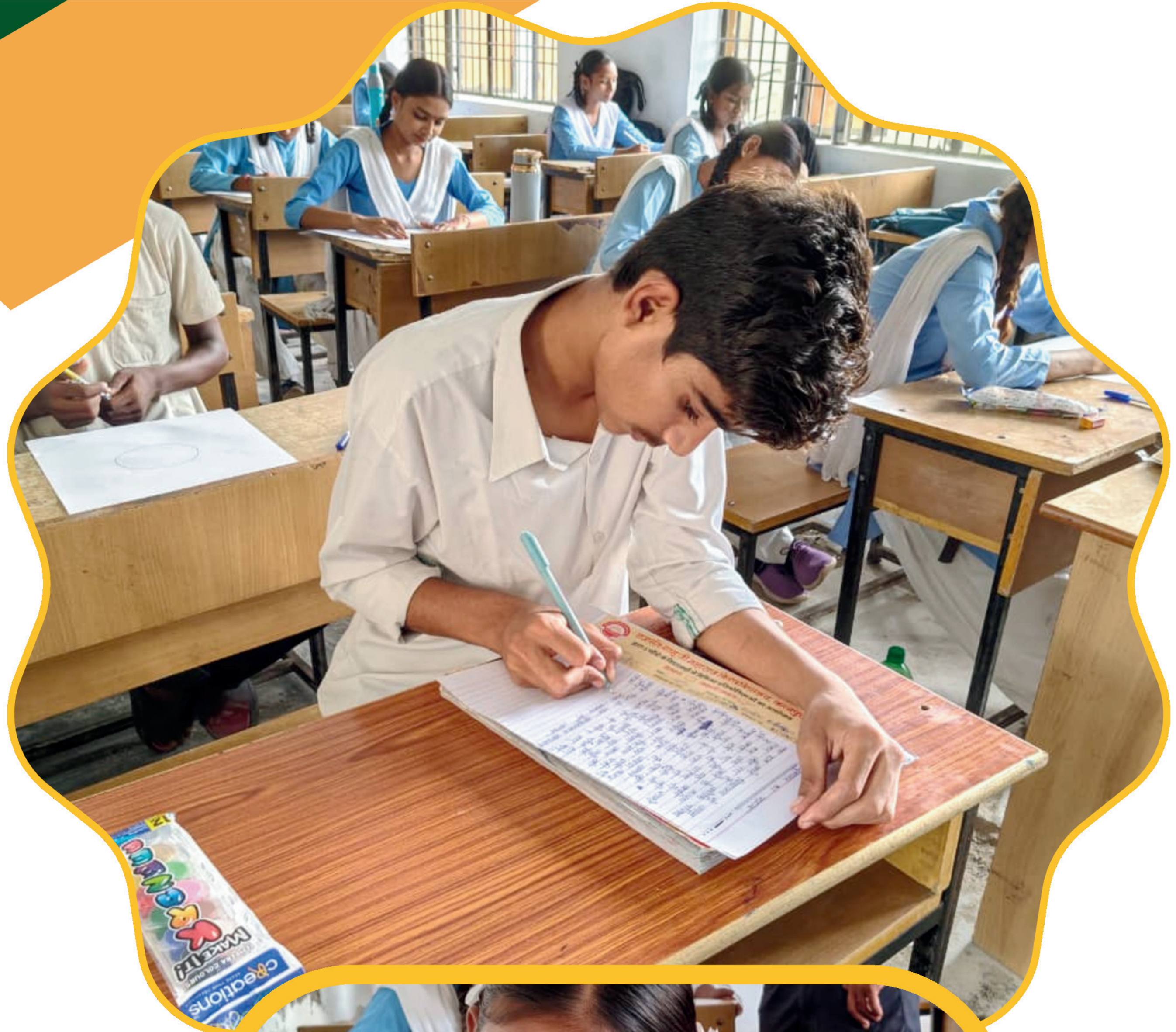

ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर

राजकीय हाईस्कूल, बैकुंठपुर

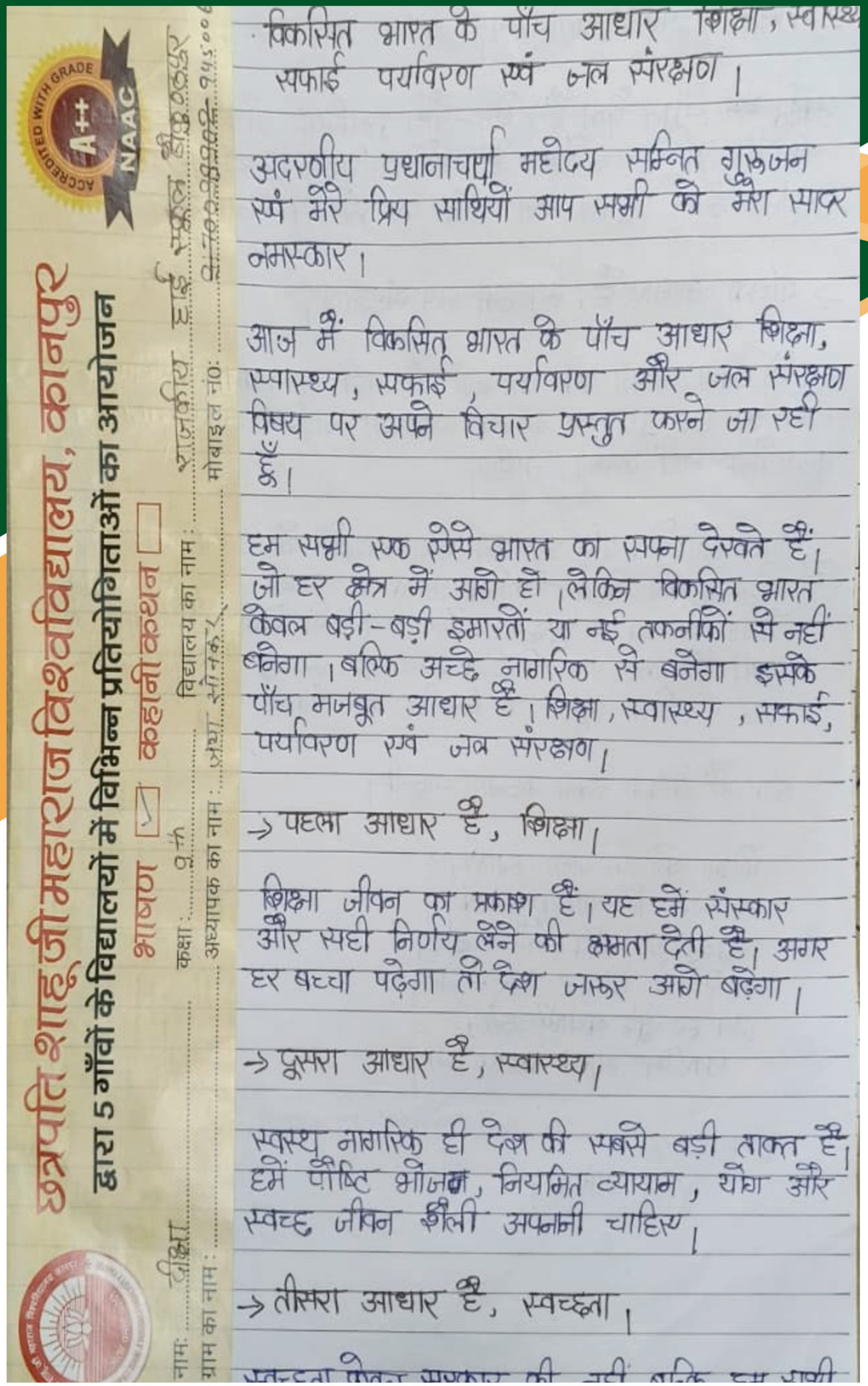

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

भाषण ☑ कहानी कथन ☐

विकसित भारत के पाँच आधार शिक्षा, स्वास्थ्य सफाई पर्यावरण एवं जल संरक्षण।

आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय सम्मित गुरुजन एवं मेरे प्रिय साथियों आप सभी को मेरा सादर नमस्कार।

आज मैं विकसित भारत के पाँच आधार शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, पर्यावरण और जल संरक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने जा रही हूँ।

हम सभी एक ऐसे भारत का सपना देखते हैं, जो हर क्षेत्र में आगे हो, लेकिन विकसित भारत केवल बड़ी-बड़ी इमारतों या नई तकनीकों से नहीं बनेगा, बल्कि अच्छे नागरिक से बनेगा इसके पाँच मजबूत आधार हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, पर्यावरण एवं जल संरक्षण।

→ पहला आधार है, शिक्षा।

शिक्षा जीवन का प्रकाश है। यह हमें संस्कार और सही निर्णय लेने की क्षमता देती है। अगर हर बच्चा पढ़ेगा तो देश जरूर आगे बढ़ेगा।

→ दूसरा आधार है, स्वास्थ्य।

स्वस्थ नागरिक ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। हमें पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम, योग और स्वच्छ जीवन शैली अपनानी चाहिए।

→ तीसरा आधार है, स्वच्छता।

नाम: दीक्षा

कक्षा: 9

स्थान: प्रथम

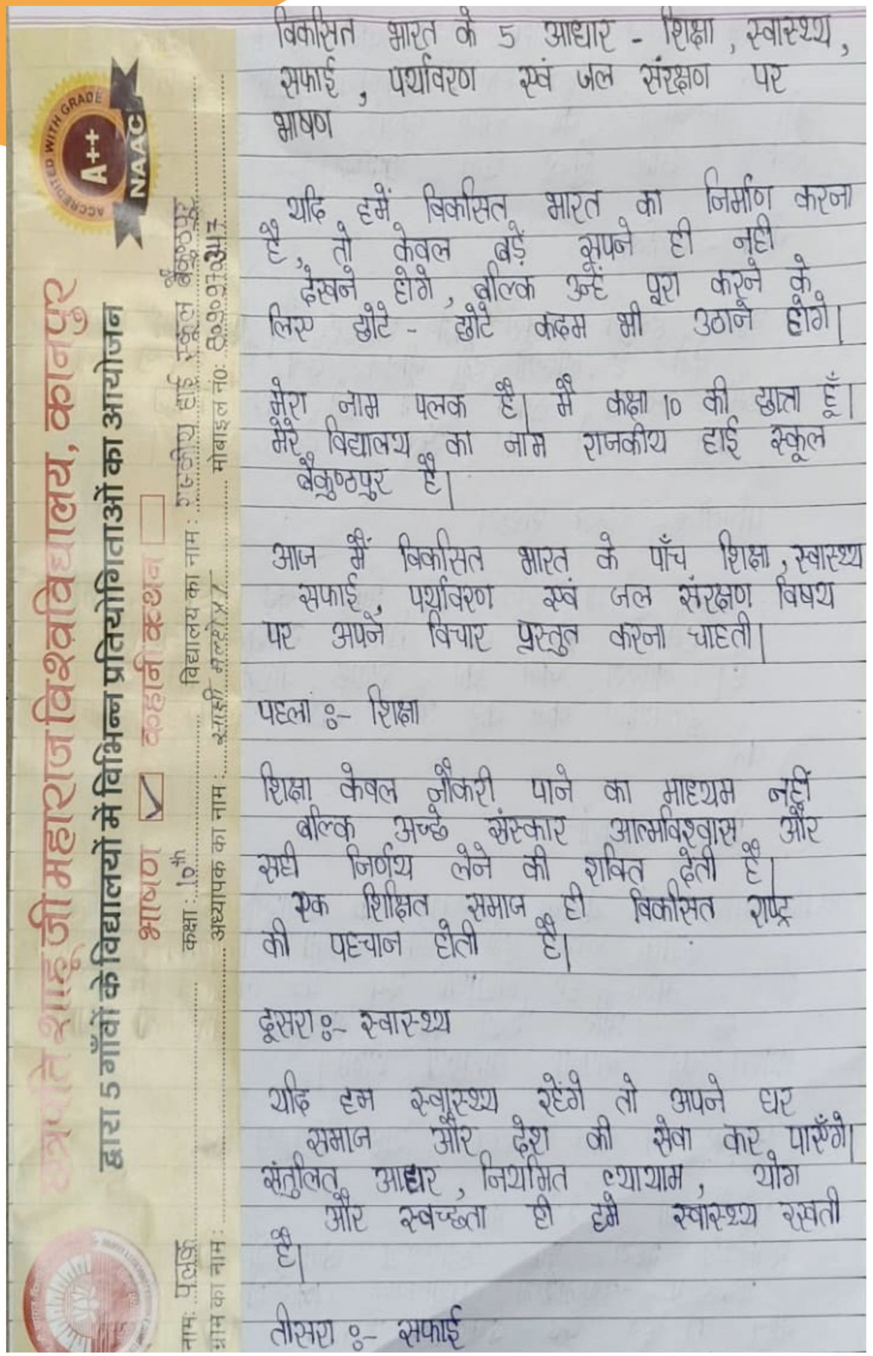

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

भाषण ☑ कहानी कथन ☐

विकसित भारत के 5 आधार - शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर भाषण

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो केवल बड़े सपने ही नही देखने होंगे, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए छोटे - छोटे कदम भी उठाने होंगे।

मेरा नाम पलक है। मैं कक्षा 10 की छात्रा हूँ। मेरे विद्यालय का नाम राजकीय हाई स्कूल बैकुण्ठपुर है।

आज मैं विकसित भारत के पाँच शिक्षा, स्वास्थ्य सफाई, पर्यावरण एवं जल संरक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करना चाहती।

पहला :- शिक्षा

शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं बल्कि अच्छे संस्कार आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की शक्ति देती है। एक शिक्षित समाज ही विकसित राष्ट्र की पहचान होती है।

दूसरा :- स्वास्थ्य

यदि हम स्वास्थ्य रहेंगे तो अपने घर समाज और देश की सेवा कर पाएँगे। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग और स्वच्छता ही हमे स्वास्थ्य रखती है।

तीसरा :- सफाई

नाम: पलक

कक्षा: 10

स्थान: द्वितीय

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर
भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कालेज

नाम: राम जी भदौरिया
कक्षा: 10
स्थान: प्रथम

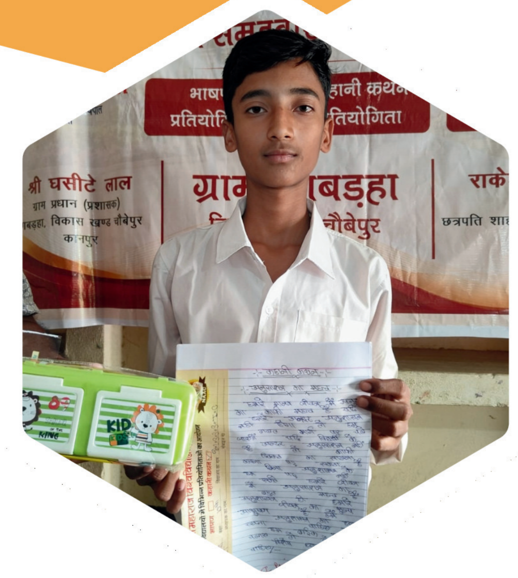

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: राम जी भदौरिया कक्षा: 10th विद्यालय का नाम: B.L.S.S.S.I.C
ग्राम का नाम: गबड़हा अध्यापक का नाम: श्रीमती रचना ... मोबाइल नं0: 945598...

भाषण कथन

विकसित भारत के पाँच आधार

(i) शिक्षा (ii) स्वास्थ (iii) सफाई (iv) पर्यावरण (v) जल संरक्षण

शिक्षा

शिक्षा का हमारे जीवन में बहुत महत्व है यदि हम शिक्षित नही है तो हमें नौकरी इत्यादि संबंधी चीजों को प्राप्त करने में कठिनाइयाँ भी आ सकती है। मैं उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंत्री श्री मती गुलाब देवी जी का अभिनंदन करना चाहता हूँ कि उन्होंने हमारी शिक्षा नीति में काफि अच्छे-अच्छे बदलाव किए है।

यदि हम शिक्षित नहीं है तों हमें कपड़े, राशन इत्यादि आवश्यक वस्तु प्राप्त करना बहुत ही मुश्किल हो सकता है इसलिए हमारे जीवन में शिक्षा का काफी महत्व है यदि हम शिक्षित है तो दुनिया की किसी भी

नाम: रिया यादव
कक्षा: 12
स्थान: द्वितीय

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☐
नाम: Riya yadav कक्षा: 12th विद्यालय का नाम: B.L.S.S.S. Inter college
ग्राम का नाम: अजीतपुर (?) अध्यापक का नाम: श्री मती रचना कटियार मोबाइल नं0: 9330...

II Prize

भाषण — विकसित भारत के पाँच आधार —
शिक्षा स्वास्थ्य सफाई पर्यावरण जल संरक्षण।

(i) शिक्षा → शिक्षा का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक शिक्षित व्यक्ति समाज के हर क्षेत्र में परोपकार कर सकता है। शिक्षा एक ऐसा धन है, जिसे न तो किसी के द्वारा बटवाया जा सकता है न ही होना जा सकता है। अर्थात सभी धनो में से विद्या को सबसे उत्तम धन बताया गया है।

(ii) स्वास्थ्य → मनुष्य जीवन में स्वास्थ्य को ठीक होना बहुत जरूरी है। एक निरोगी तन वाला मनुष्य हर काम को आसानी से कर सकता है।
स्वास्थ्य के ठीक रहने के निवारण → मनुष्य को किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए यदि मनुष्य शराबी है तो, वह शराब के नशे के धुंध में परिवार का ख्याल नहीं कर सकता है। और सही से उनका पालन-पोषण भी नहीं हो पाता है।

(iii) सफाई → यदि मनुष्य सफाई करेगा और अपने आस-पास सफाई रखेगा तो कम बीमार पड़ेगा और परिवार का ख्याल भी अच्छे से रख सकेगा। यदि बीमारी नहीं होगी। परिवार सुरक्षित रहेगा।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

आरोह तमसो ज्योतिः।

प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी
प्रति कुलपति

श्री अशोक कुमार त्रिपाठी
वित्त अधिकारी

श्री राकेश कुमार मिश्र
कुलसचिव

डा. प्रवीन कटियार
समन्वयक